रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

सोमवार
13 जुलाई -2026
वर्ष 10, अंक 309
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के हवाई हमले के बाद भड़का ईरान

● गालिबाफ बोले-एकतरफा समझौतों का दौर खत्म हो चुका

तेहरान (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच हवाई हमले बढ़ गए हैं। टकराव की रफ्तार में इजाफा पूरी दुनिया के लिए चिंता की वजह बना हुआ है। इस बीच ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद

बाघेर गालिबाफ ने स्पष्ट किया कि अब एकतरफा समझौतों का दौर खत्म हो चुका है। अपने कड़क और तीखे तेवरों के लिए पहचाने जाने वाले गालिबाफ ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर लिखा, हमने पहले ही कहा था- वादा निभाओ, नहीं तो कीमत चुकाओ। अब हकीकत सामने है। उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ अमेरिका-ईरान समझौता मसौदे के अनुच्छेद-5 की तस्वीर भी साझा की।

संसद सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

● विपक्ष के साथ आने वाले बिलों को लेकर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले ठीक एक दिन पहले सरकार 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक करने जा रही है। बैठक में इस सत्र के

दौरान होने वाली महत्वपूर्ण चर्चा की योजना को लेकर बातचीत की जा सकती है। सर्वदलीय बैठक में सरकार विपक्ष को यह भी बताएगी कि इस सत्र में कौन से बिल पेश किए जा सकते हैं। संसद सत्र के एक दिन पहले यानी 19 जुलाई को होने वाली सर्वदलीय बैठक का समय सुबह 11 बजे निर्धारित किया गया है।

जूते में छिपाकर हुआ था महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक

● 8 हजार रुपए और एक प्लॉट में बिके थे प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में 28 जून 2026 को आयोजित होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 पेपर लीक के चलते एक दिन पहले यानी 27 जून को रद्द कर दी गई थी। अब

इस परीक्षा को दोबारा आयोजित कराया जाएगा जिसकी नई तारीख का ऐलान होना बाकी है, लेकिन पेपर लीक की जांच के बीच कुछ नए खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र टीईटी का पेपर आगरा के उस प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुआ था जहां इस पेपर की छपाई होनी थी। बता दें कि यह परीक्षा 28 जून को 1028 सेंटर्स पर आयोजित होनी थी 6 लाख से अधिक उम्मीदवार इस परीक्षा में शामिल होने थे।

अगले साल से पटरी पर दौड़ेगी देश की पहली बुलेट ट्रेन

● केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कर दी बड़ी घोषणा ● नए रूट्स का भी ऐलान, हैदराबाद को मिलेंगे नए कॉरिडोर

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन जल्द ही पटरी पर दौड़ेगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को घोषणा की कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन अगले साल शुरू किया जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगले साल, हम मुंबई-अहमदाबाद रूट पर सूरत और बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन शुरू करेंगे। इसके बाद, एक-एक करके, हम वापी से सूरत, फिर वापी से अहमदाबाद, फिर अहमदाबाद से ठाणे और फिर अहमदाबाद से मुंबई तक का काम पूरा करेंगे। रेल मंत्रालय ने वैष्णव के बयान का एक वीडियो पोस्ट किया और उसके साथ मंत्री का एक कोट भी लिखा। इसमें लिखा था, भारत की पहली बुलेट ट्रेन अपने अगले चरण में प्रवेश कर रही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पुणे और हैदराबाद के बीच का पहला प्रोजेक्ट यात्रा के समय को घटाकर दो घंटे कर देगा, हैदराबाद से मुंबई की यात्रा का समय 2 घंटे 50 मिनट हो जाएगा, हैदराबाद से अमरावती का सफर 1 घंटे 10 मिनट का हो जाएगा, हैदराबाद से चेन्नई का सफर 3 घंटे का होगा, और हैदराबाद से बेंगलुरु का सफर 2 घंटे 35 मिनट का हो जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि तीन बड़े बुलेट ट्रेन कॉरिडोर शुरू होने से हैदराबाद एक हाई-स्पीड हब बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आवंटित 5,400 करोड़ का भारी-भरकम रेलवे बजट तेलंगाना में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है।

पहाड़ों में 'आफत' बनी बारिश

पहलगाम में बादल फटा, सड़क बही, खेत बर्बाद

उत्तराखंड के हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड

श्रीनगर (एजेंसी)। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में लैंडस्लाइड हो गई। कई वाहन और मशीनें मलबे में दब गईं। उधर, देश के लगभग 70 फीसदी हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश

समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ गया।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रविवार सुबह अभियान तेज हुआ

देर रात हुई करीब दो घंटे की मूसलाधार बारिश के बाद गस्ती बैंड के पास वैकल्पिक मार्ग पर भी कई स्थानों से भारी मात्रा में मलबा सड़क पर आ गया। लोक निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग की टीमों ने जेसीबी मशीनों के जरिए मार्ग खोलने का प्रयास किया, लेकिन लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण रात में राहत कार्य भी चुनौतीपूर्ण बना रहा। रविवार सुबह मौसम साफ होने पर मलबा हटाने का अभियान तेज किया गया।

मानसून को सक्रिय रखने वाला सिस्टम कमजोर पड़ा

मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 70 फीसदी हिस्से से मानसून के बादल गायब होने के पीछे सबसे बड़ी वजह मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम का कमजोर पड़ना है। 9 जुलाई के बाद बंगाल की खाड़ी में कोई नया मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम नहीं बना, जिससे मानसूनी हवाओं को पर्याप्त नमी नहीं मिल सकी। इसके साथ ही मानसून ट्रफ भी अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक गई है। इसकी वजह से मध्य, पश्चिम और दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बादल और बारिश की गतिविधियां काफी कम हो गई हैं। फिलहाल बारिश मुख्य रूप से उत्तर भारत, पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर तक सीमित है। आईएमडी का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून के फिर से पूरी तरह सक्रिय होने की संभावना कम है।

पीएम के पंजाब दौरे से पहले ट्रेन में लगे खालिस्तानी नारे

आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी किया, खालड़ा का भी जिक्र

जालंधर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर खालिस्तान जिंदाबाद और मोदी मुर्दाबाद जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं। एसजेएफ के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो

जारी कर पंजाब में आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया। हालांकि, अपना अखबार पन्नू के वीडियो की पुष्टि नहीं करता। जसवंत सिंह खालड़ा पर ही दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज बनी थी, जिसे रिलीज होने के दूसरे दिन ही हटा दिया गया था और अब पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। इधर, वीडियो सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियां स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं।

खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया था

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि 90 के दशक में शहीद खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया था। ये लोग सिख युवा, बुजुर्ग, महिलाएं थे और इनको अज्ञात कहकर मार दिया गया था। जसवंत सिंह खालड़ा ने उनकी बात की थी। वह दौर था सिख नरसंहार का। पन्नू ने कहा ने प्रधानमंत्री मोदी को हिंदुस्तान का आतंकवादी कहा। उसने कहा कि पंजाब में अब आर्थिक नरसंहार किया जा रहा है। तब लाशें अज्ञात थीं। आज सिख की लाश आपके घर में ही है। उसको पहले ड्रग के साथ मारा जा रहा है, फिर पंजाब के किसानों को मजबूर किया जा रहा है कि वे खुदकुशी करें।

भारत-म्यांमार सीमा व्यापार 6 साल बाद फिर होगा शुरू

लिपुलेख दर्रे से ट्रेड को लेकर चीन की तैयारी हुई तेज

डिब्रूगढ़/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और म्यांमार के बीच रिश्तों को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पैंगसाऊ दर्रे पर भारत और म्यांमार के बीच सीमा व्यापार फिर शुरू होने की तैयारी है। करीब छह साल से अधिक समय से ये बंद चल रहा था। हालांकि, अब दोनों पक्षों के व्यापारिक संगठनों की बैठक के बाद 20 जुलाई को फिर से शुरू होने जा रहा है। फ्री मूवमेंट रिजीम के तहत सीमा-पार व्यापार से स्थानीय को फायदा होगा।

कोविड के दौरान बंद हुआ ट्रेड लिंक

कोविड-19 महामारी के कारण 3 फरवरी, 2020 को बंद किए गए इस ट्रेड लिंक को खोलने का निर्णय लिया गया। ये फैसला स्थानीय व्यापार प्रतिनिधियों और म्यांमार में उनके समकक्षों के बीच 9 जुलाई को अरुणाचल के चांगलांग जिले में व्यापार फिर से शुरू करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए हुई बैठक के बाद लिया गया।

जिम बेल्ट पर मिले ट्विशा शर्मा के स्किन टिश्यू

दिल्ली एम्स ने 11 पेज की फॉरेंसिक रिपोर्ट सीबीआई को सौंपी

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल की एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत मामले में दिल्ली एम्स के मेडिकल बोर्ड ने अपनी अंतिम फॉरेंसिक रिपोर्ट सीबीआई को सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में कथित तौर पर फांसी में इस्तेमाल हुई जिम बेल्ट पर स्किन टिश्यू मिलने और बेल्ट के निशानों का गर्दन पर मिले लिगेचर मार्क से मेल खाने की बात सामने आई है। हालांकि, रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली एम्स के पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने 11 पेज की अंतिम रिपोर्ट 10 जुलाई को सीलबंद लिफाफे में सीबीआई को सौंप दी। रिपोर्ट की अनुपालन प्रति मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को भी भेजी गई है। मेडिकल बोर्ड ने 24 मई को दूसरा पोस्टमॉर्टम

करने के साथ घटना स्थल का निरीक्षण भी किया था। बताया जा रहा है कि हिस्टोपैथोलॉजिकल और अन्य लैब जांच में जिम बेल्ट पर मिले स्किन टिश्यू की पुष्टि हुई है। साथ ही बेल्ट पर मौजूद निशानों और ट्विशा की गर्दन पर मिले लिगेचर मार्क के बीच वैज्ञानिक समानता पाई गई है।

हाईकोर्ट के आदेश पर हुआ था दूसरा पोस्टमॉर्टम

12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ससुराल में ट्विशा शर्मा संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया था, जबकि मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया। शुरुआती जांच और पहले पोस्टमॉर्टम पर सवाल उठने के बाद परिजन ने हाईकोर्ट का रुख किया, जिसके बाद दिल्ली एम्स से दूसरा पोस्टमॉर्टम कराने और बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के आदेश दिए गए।

रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं, सीबीआई करेगी जांच में इस्तेमाल

दिल्ली एम्स के फॉरेंसिक मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर गुप्ता ने रिपोर्ट की सामग्री पर टिप्पणी करने से इनकार किया। उनका कहना है कि मेडिकल बोर्ड ने सभी संभावित पहलुओं का वैज्ञानिक मूल्यांकन कर निष्कर्ष तैयार किए हैं। कोर्ट के निर्देशों के चलते रिपोर्ट फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है।

गैंगस्टर से आतंकी बना पाकिस्तानी शहजाद, NIA ने कसा शिकंजा, रांची से जुड़ा तार

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची/

राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी हृद्ध ने पाकिस्तान के आतंकी शहजाद भट्टी पर अपना शिकंजा और कस दिया है। शहजाद भट्टी पर रांची के निवारणपुर स्थित ऋस्स कार्यालय पर पेट्रोल बम हमले की साजिश रचने का आरोप है।

NIA ने हरियाणा के अंबाला में बलदेव नगर पुलिस थाने की पार्किंग में IED लगी कार में हुए विस्फोट के मामले में शहजाद भट्टी समेत 8 आरोपियों के खिलाफ विशेष अदालत में आरोपपत्र दायर किया है। जांच एजेंसी का कहना है कि शहजाद भट्टी पाकिस्तान में बैठकर भारत में आतंकी नेटवर्क चला रहा था और पुलिस थानों सहित अन्य संवेदनशील स्थानों को निशाना बनाने की योजना बना रहा था।

● रांची हमले की जांच भी हृद्ध के पास, ISI का कनेक्शन

16 जून की रात रांची के निवारणपुर स्थित ऋस्स कार्यालय पर पेट्रोल बम से हमला हुआ था। इस मामले में रांची पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। जांच में इस हमले के तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ और शहजाद भट्टी के नेटवर्क से जुड़े मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच हृद्ध को सौंप दी गई। अब एजेंसी यह पता कर रही है कि रांची हमले के पीछे कितनी बड़ी साजिश थी और इसमें कौन-कौन शामिल थे।

● अंबाला थाने पर हमले की पहले से थी तैयारी

NIA की जांच में सामने आया कि शहजाद भट्टी ने अंबाला के बलदेव नगर पुलिस थाने को निशाना बनाने की योजना पहले से बना ली थी। आरोपियों ने हमले से पहले इलाके की रेकी की। इसके बाद गैस सिलेंडर और विस्फोटक से भरी कार को थाने के परिसर में खड़ा कर दिया गया। एजेंसी के अनुसार हमले का वीडियो भी बनाया गया था, जिसे सोशल मीडिया पर फैलाकर लोगों में भय पैदा करना था।

● सोशल मीडिया से करता था भर्ती, भारत में बनाया नेटवर्क

NIA का कहना है कि पाकिस्तान में बैठकर शहजाद भट्टी ने भारत में अपना पूरा नेटवर्क खड़ा कर लिया था। वह सोशल मीडिया और गुप्त संदेश भेजने वाले ऐप के जरिए युवाओं से संपर्क करता था, उन्हें अपने साथ जोड़ता था और फिर अलग-अलग राज्यों में हमलों की तैयारी कराता था।

NIA के मुताबिक आकाश भारत में शहजाद का मुख्य सहयोगी था। वह अन्य आरोपियों के साथ मिलकर हमले की योजना बनाने, विस्फोटक जुटाने और आपसी समन्वय का काम देखता था। डिजिटल, इलेक्ट्रॉनिक और फोरेंसिक सबूतों से यह भी पता चला है कि हमले की पूरी तैयारी के दौरान सभी आरोपी लगातार पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के संपर्क में थे।

● 8 आरोपियों पर आरोप तय

NIA ने पंचकूला की विशेष अदालत में पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी के अलावा करमजीत सिंह उर्फ टोनी, आकाश, सौरभ उर्फ सोबी, रमन कुमार, सत्यम, सुखदेव सिंह उर्फ सुखा और अमरजीत सिंह उर्फ अंबी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है।

इन सभी पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है। NIA ने कहा कि जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है।

संक्षिप्त समाचार

चेन्नई में मजदूर की संदिग्ध मौत, शव गांव पहुंचते ही पसरा मातम

मसलिया, एजेंसी। मसलिया प्रखंड के एक प्रवासी मजदूर की चेन्नई में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने का मामला सामने आया है ।शनिवार अहले सुबह जैसे ही मजदूर का शव उसके पैतृक गांव पहुंचा, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है ।मृतक की पहचान मसलिया थाना क्षेत्र के खुटोजोरी पंचायत अंतर्गत रांगाटांड़ गांव निवासी रोहित राय के रूप में हुई है ।परिजनों के अनुसार रोहित करीब एक माह पूर्व पड़ोसी गांव के एक मेट के साथ मजदूरी करने चेन्नई गए थे ।इसी दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव को गांव लाया गया ।शनिवार सुबह गांव में ही रोहित का अंतिम संस्कार किया गया ।अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण जुटे। बताया जाता है कि रोहित अपने परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। उनके निधन से वृद्ध माता, भाई और बहन सहित पूरे परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

हैवान बना पिता: 15 वर्षीय बेटी की पीट-पीटकर हत्या, बचाने आए बुजुर्ग की भी जान ली

सरैयाहाट, एजेंसी। घरेलू विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया जब एक पिता हैवान बन बैठा ।आरोपी हड्डुआ मंडल ने अपनी ही 15 वर्षीय पुत्री पुड़की कुमारी को बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया ।घटना बीते शनिवार देर शाम की है ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया और गुस्से में बेकाबू पिता ने बेटी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हंगामा सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे चचेरे चाचा 60 वर्षीय सरजू मंडल को भी आरोपी ने नहीं बख्शा ।उसने ईंट से वार कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया ।उन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए देवघर ले जाया गया, जहां रविवार को इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई ।घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई ।सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी हड्डुआ मंडल को गिरफ्तार कर लिया है ।पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है।

युवक की मौत पर शव के साथ साढ़े चार घंटे रिंग रोड जाम, 30 लाख मुआवजे की मांग

रांची, एजेंसी। मानकी ढीपा रिंग रोड पर सड़क दुर्घटना में रंजीत बैठा (30) की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को शव के साथ रिंग रोड जाम कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शाम करीब चार बजे ग्रामीण शव लेकर घटनास्थल पर पहुंचे और सड़क पर रख दिया। जाम की सूचना पर टाटीसिलवे थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। ग्रामीणों ने मौके पर वरीय अधिकारियों और एनएचएआइ के अधिकारियों को बुलाने, मृतक के परिजनों को 30 लाख रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी, घटनास्थल पर अंडरपास और स्पीड ब्रेकर निर्माण की मांग की। उनका कहना था कि रंजीत अपने पीछे पत्नी और एक छोटे बेटे को छोड़ गया है। ऐसे में परिवार के समक्ष आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने सड़क सुरक्षा के लिए स्थायी उपाय करने की भी मांग की। दो दिन के अंदर मांगें पूरी नहीं होने पर टोल प्लाजा को जाम करने की चेतावनी दी। ग्रामीण लगातार बारिश के बावजूद अपनी मांगों पर डटे रहे। रात करीब साढ़े आठ बजे अंचल कार्यालय का एक कर्मचारी जाम स्थल पर पहुंचा और मृतक के अंतिम संस्कार के लिए 12 हजार रुपये की तत्काल सहायता राशि प्रदान की। वहीं, एनएचएआइ के मेंटेनेंस विभाग के कर्मचारी ने मांगों को सक्षम अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया।

अशोक नगर में चोरी कर ऑटो से भागे थे बदमाश, बिरसा चौक पर पी थी चाय

रांची, एजेंसी। रांची जिले के अशोक नगर स्थित बिल्डर अखिलेश पांडेय के घर में 8 जुलाई की रात हुई चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश ऑटो से फरार हुए थे। पहले वे अशोक नगर से हवाई नगर की ओर गये, फिर वापस बिरसा चौक पहुंचे। यहां एक दुकान पर चाय पी और सिगरेट पी। इसके बाद नौ जुलाई की सुबह 4।10 बजे बिरसा चौक स्थित होटल पार्क रिट्रीट पहुंचे। होटल के कमरे में कुछ देर रुककर सामान पैक किया। सुबह 5।17 बजे होटल से निकलते समय गार्ड को 50 रुपये बख्शीश भी दी। इसके बाद करीब 80 लाख रुपये कीमत की जगुआर कार की डिक्की में सामान रख तमाड़-बुंडू के रास्ते जमशेदपुर-चाईबासा की ओर फरार हो गये ।घटना के बाद नौ जुलाई को पुलिस अशोक नगर से सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए होटल पार्क रिट्रीट तक पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी वहां से निकल चुके थे। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उनके भागने के संभावित रास्ते पर भी पीछा किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

प्रदेश में 14 जुलाई को सभी बूथों पर होगी बीएलओ-बीएलए-2 की दूसरी बैठक,

अनमैप्ड और एएसडीडी सूची की होगी समीक्षा

रांची, एजेंसी। झारखंड में 14 जुलाई को सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और बीएलए-2 की दूसरी बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में अनमैप्ड मतदाताओं और स्ष्ठ सूची पर विस्तार से चर्चा होगी। इसका उद्देश्य त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार करना है।

झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान के तहत 14 जुलाई को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और बीएलए-2 की दूसरी बैठक सह चुनाव पाठशाला आयोजित की जायेगी। बैठक सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में पोस्टर जारी कर सभी संबंधित पक्षों से सक्रिय भागीदारी की अपील की है। बैठक में एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ और डुप्लीकेट (एएसडीडी) सूची पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जायेगा। इसके अलावा, अब तक मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हो सके अनमैप्ड मतदाताओं के मामलों की भी समीक्षा होगी। आयोग का उद्देश्य पात्र मतदाताओं की सही पहचान सुनिश्चित करते हुए त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार करना है। निर्वाचन आयोग ने बैठक में आम मतदाताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पूर्व पोलिंग एजेंटों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने के लिए बूथ स्तर पर सभी संबंधित पक्षों का सहयोग आवश्यक है। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर समय पर इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करें और यदि किसी प्रकार की त्रुटि हो तो उसका समय रहते सुधार करा लें। अभियान से जुड़ी जानकारी के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट और हेल्पलाइन 1950 का भी उपयोग किया जा सकता है।

राज्य में एसआइआर अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। निर्वाचन आयोग

के ताजा आंकड़ों के अनुसार, राज्य में अब तक बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने 83।40 प्रतिशत मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म (गणना प्रपत्र) पहुंचा दिया है। राज्य के 5,336 मतदान केंद्र ऐसे हैं, जहां बीएलओ ने 100 प्रतिशत मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिया है। आयोग का कहना है कि घर-घर जाकर फॉर्म वितरण का कार्य लगातार जारी है और शेष मतदाताओं तक भी जल्द फॉर्म पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। निर्वाचन आयोग ने सभी बीएलओ को निर्देश दिया है कि फॉर्म वितरण के साथ-साथ भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म समय पर प्राप्त कर उनका डिजिटाइजेशन भी सुनिश्चित करें। साथ ही मतदाताओं से एसआइआर के रिकॉर्ड के आधार पर मैपिंग कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वे फॉर्म प्राप्त होने के बाद उसे सही जानकारी के साथ भरकर जल्द अपने बीएलओ को जमा करें, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाया जा सके। राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची के शुद्धिकरण, नये मतदाताओं के पंजीकरण और त्रुटियों के सुधार का कार्य निर्धारित समय-सीमा के अंदर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एसआइआर कार्य को देखते हुए रांची के विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी (एसआरओ) के पद पर नये अधिकारी के योगदान पर फिलहाल रोक लगा दी गयी है। उपायुक्त रांची द्वारा जारी आदेश के अनुसार, नवनियुक्त विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी अजय कुमार तिर्की से इस पद पर कार्य नहीं लिया जा सकेगा और उन्हें अविलंब कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग में अपना योगदान देने का निर्देश दिया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में रांची की विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का म महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा रहा है। है। ऐसी परिस्थिति में यदि उन्हें इस पद से विरमित किया जाता है, तो मतदाता सूची के इस विशेष कार्य के क्रियान्वयन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसी परिप्रेक्ष्य में यह निर्णय लिया गया है। कार्मिक विभाग की अधिसूचना के तहत मोनी कुमारी का तबादला श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर किया गया था। वहीं, सरायकेला-खरसावां से विरमित होकर अजय कुमार तिर्की ने तीन जुलाई को रांची के विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी के रूप में अपना योगदान दिया था। लेकिन मतदाता सूची के कार्य की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त रांची ने नया आदेश जारी कर अजय कुमार तिर्की को कार्मिक विभाग वापस भेज दिया है।

एसआइआर को गति देने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने छह विधानसभा क्षेत्रों में नये सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारियों (एइआरओ) की नियुक्ति की है। आयोग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी करते हुए अगस्त 2023 की पूर्व अधिसूचना में संशोधन किया है। नयी व्यवस्था एसआइआर की समाप्ति तक प्रभावी रहेगी। रांची विधानसभा क्षेत्र के लिए हटिया के आवासीय दंडाधिकारी को सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी बनाया गया है। वहीं, हटिया विधानसभा क्षेत्र में रातू के अंचल अधिकारी को यह जिम्मेदारी सौंपी गयी है। है। खिजरी विधानसभा क्षेत्र में ओरमांझी के बीडीओ, सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में सिल्ली के बीडीओ, तमाड़ विधानसभा क्षेत्र में तमाड़ के बीडीओ तथा पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में पाकुड़ अनुमंडल के कार्यपालक दंडाधिकारी को एइआरओ नियुक्त किया गया है।

रांची में शिव मंदिर का शिवलिंग खंडित, ग्रामीणों में आक्रोश, पुलिस जांच में जुटी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांचे के कांके में कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा शिव मंदिर में स्थित शिवलिंग को खंडित कर दिया गया है। शिवलिंग खंडित करने की वजह से इलाके में तनाव का माहौल है। वहीं, कांके पुलिस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

रांची के कांके थाना क्षेत्र स्थित संग्रामपुर गांव में एक शिव मंदिर का शिवलिंग खंडित पाए जाने से इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल है। बताया जा रहा है कि मामला शुक्रवार देर रात की है, लेकिन रविवार की सुबह घटना की जानकारी मिली है। जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर परिसर में जुट गए और दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग करने लगे।

ग्रामीणों का कहना है कि शिवलिंग को खंडित किए जाने की घटना से उनकी धार्मिक भावनाओं को गहरा आघात पहुंचा है। लोगों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए प्रशासन से दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। घटना

के बाद इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस सतर्क हैं।

कांके थाना प्रभारी कुणाल ने बताया कि सूचना मिलते ही कांके थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। मंदिर में प्राकृतिक शिवलिंग था। मामले को लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों की पहचान कर कारवाई की जाएगी।

रांची-डालटनगंज शटल ट्रेन के लिए करना होगा इंतजार

तीसरी लाइन बनने के बाद ही होगा परिचालन

रांची, एजेंसी। रांची-लोहरदगा-डालटनगंज के बीच शटल ट्रेन सेवा शुरू होने की आस लगाए लोगों को और इंतजार करना पड़ेगा। फिलहाल दक्षिण-पूर्व मुख्यालय ने पूर्व-मध्य रेलवे (इसीआर) के आग्रह पर रांची रेल मंडल के इस प्रस्ताव को स्थगित कर दिया है। प्रस्ताव के जवाब में मुख्यालय ने रांची रेल मंडल को जानकारी दी गयी है कि उक्त रूट पर टोरी से बरवाडीह के बीच इसीआर की ओर से तीसरी रेल लाइन बिछाने का काम चल रहा है। इसे पूरा होने में अभी छह से आठ माह और लगेंगे। ऐसे में शटल ट्रेन सेवा उक्त अवधि के बाद ही शुरू की जा सकती है।

मालूम हो कि रांची रेल डिविजन ने इस रूट पर दो ट्रिप शटल ट्रेन चलाने की योजना बनाई है। मंडल ने इसका प्रस्ताव फरवरी 2026 में ही दक्षिण-पूर्व रेल मुख्यालय को भेज दिया था। इस ट्रेन के चलने से रांची से डालटनगंज के बीच रोजाना करीब चार हजार यात्री आना-जाना कर सकेंगे। इससे दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, इलाज के लिए रांची आने वाले मरीजों और व्यापारियों को विशेष लाभ मिलेगा। रेलवे अधिकारियों का

मानना है कि इस ट्रेन के शुरू होने से क्षेत्रीय व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। लातेहार, बरवाडीह और लोहदरगा जैसे इलाकों के लोगों को रांची आने-जाने में समय और खर्च दोनों की बचत होगी। अधिकारी ने बताया कि टोरी-बरवाडीह के बीच तीसरी रेल लाइन का निर्माण सोन नगर-पतरातू तीसरी लाइन परियोजना का एक प्रमुख हिस्सा है। यह रूट देश के सबसे व्यस्त कोयला परिवहन मार्गों (कोल इंडिया कोर सेक्शन) में शामिल है। भारी मालगाड़ियों के आवागमन और यात्री ट्रेनों के सुचारू संचालन के लिए इस निर्माण कार्य को बहुत तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

सोननगर से पतरातू तक की कुल परियोजना 291 किलोमीटर की है। यह खंड पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद डिवीजन के अंतर्गत आता है। बरवाडीह से टोरी (लगभग 73 किमी) का हिस्सा इस विशाल परियोजना का पैकेज है। इसके निर्माण होने से कोयला ढुलाई को रफ्तार देने, मालगाड़ियों के दबाव को कम करने और यात्री ट्रेनों की लेटलतीफी दूर कर समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए यह तीसरी लाइन बिछायी जा रही है। अधिकारी ने बताया कि इस ट्रैक पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम और भारी कंक्रीट स्लीपर्स का उपयोग किया जा रहा है, ताकि ट्रेनें 100 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ सकें। डीआरएम करुणानिधि सिंह ने कहा है कि रांची रेल मंडल यात्रियों को सुविधाएं और सहूलियत मुहैया कराने को लेकर कटिबद्ध है। रांची-लोहरदगा-डालटनगंज के बीच शटल ट्रेन सेवा शुरू होने का इंतजार कर रहे लोगों को निराश होने की जरूरत नहीं है। छह से आठ माह में तीसरी रेल लाइन के निर्माण का कार्य पूरा हो जायेगा। हमारी कोशिश होगी कि उसके तुरंत बाद ही इस रूट पर शटल ट्रेन का परिचालन शुरू कराया जाये। जैसे ही निर्माण कार्य पूरा होगा मुख्यालय को दोबारा प्रस्ताव भेजेंगे।

राज्य के 83।40 प्रतिशत मतदाताओं तक पहुंचा इन्यूमरेशन फॉर्म, 5336 बूथों पर 100 प्रतिशत

रांची, एजेंसी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के। रवि कुमार ने कहा है कि राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर आगामी 14 जुलाई 2026 को बीएलओ-बीएलए 2 की द्वितीय संयुक्त बैठक और चुनाव पाठशाला का विशेष आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 की यह पूरी कवायद एक सहभागी प्रक्रिया है, जिसे शत-प्रतिशत त्रुटिहीन और सफल बनाने के लिए राज्य के प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक, मतदाता और सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा है।

कुमार ने कहा कि इस विशेष अभियान के तहत 14 जुलाई 2026 को दिन के 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए 2 की बैठकों का संचालन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन

पदाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि इस चुनाव पाठशाला में बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा अनिवार्य रूप से प्रारूप एएसडीडी सूची को सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाया जाए, ताकि इस सूची को सत्यापित किया जा सके। इसके साथ ही, बैठक के दौरान अनमैप्ड मतदाताओं के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि अबतक राज्य में बीएलओ द्वारा 83।40% मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए है जिसमें आज के रिपोर्ट जारी करने तक 5336 ऐसे मतदान केंद्र है जहां 100% मतदाताओं को उनके बीएलओ द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए है। चक्रधरपुर विधानसभा के मतदान केंद्र संख्या 195 एवं 196 तोरपा विधानसभा के मतदान केंद्र संख्या 87, बड़काागांव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या

44 एवं सिमडेगा विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 218 के बीएलओ ने अपने मतदान केंद्र क्षेत्र के सभी मतदाताओं का इन्यूमरेशन फॉर्म भरवाकर इसका 100% डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके लिए यहां के बीएलओ के साथ-साथ मतदाताओं, बीएलए 2 एवं निर्वाचन से संबंधित सभी स्टेकहोल्डर को हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य 'कोई पात्र भारतीय नागरिक न छूटे और कोई अपात्र व्यक्ति न जुड़े'।

चुनावी राजनीति से संन्यास लेंगे वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, जताई इच्छा

रांची , एजेंसी। सुरक्षा व्यवस्था लौटाए जाने के कारण इन दिनों सुर्खियों में रह रहे वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर एक बार फिर चौंकाने वाला फैसला लेने वाले हैं। जी हां, उन्होंने चुनावी राजनीतिक जीवन से संन्यास लेने की बात कही है।

रांची में अपने निजी आवास पर अपनी इच्छा जताते हुए राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि 2029 का चुनाव वह नहीं लड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष की उम्र में वह विधायक बने थे और तब से उन्होंने लंबा सफर तय किया है। ऐसे में राजनीति में भी पड़ाव जरूर आना चाहिए, आपको स्वतः अवकाश ले लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2029 में

जब चुनाव होगा तो मेरी राजनीतिक उम्र 50 वर्ष की हो जायेगी। ऐसे में भगवान ने आपको समय दिया हो तो धर्म-कर्म, सामाजिक उत्थान के लिए काम करें। मेरी भी इच्छा है कि मैं अवकाश लेने पर लेखन कार्य के साथ साथ देशाटन करना चाहता हूं। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि केंद्र की राजनीति का उन्हें कोई लालसा नहीं है और उन्होंने उसमें कभी भूमिका भी नहीं निभाई है। हालांकि, इंदिरा गांधी के जमाने से वह केंद्र की राजनीति देखते जरूर आए हैं।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 2029 का चुनाव वह नहीं लड़ेंगे। अभी तक यही मन बनाया है, आगे की परिस्थिति क्या होगी, यह कहना मुश्किल है। क्योंकि वह किसी पार्टी से जुड़े हुए हैं और पार्टी के प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी का विशेष निर्देश कुछ होगा तो उस पर विचार किया जाएगा। मगर, व्यक्तिगत रूप से राधाकृष्ण कि इच्छा यही है कि चुनावी राजनीति से दूर हो जायें।

ओटीपी फ्रॉड गैंग का भंडाफोड़: देवघर पुलिस ने पांच साइबर अपराधियों को भेजा जेल

देवघर, एजेंसी। झारखंड का देवघर जिला इन दिनों साइबर अपराधियों का गढ़ बनता जा रहा है। जिला के अलग-अलग इलाकों से लगभग हर दिन साइबर ठगों की गिरफ्तारी हो रही है। साथ ही पुलिस लगातार कार्रवाई भी कर रही है। इसी कड़ी में शनिवार को देवघर पुलिस ने सारठ प्रखंड के पुरनीकरहैया स्थित डाकाय जंगल में छापेमारी कर पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग जंगल में बैठकर मोबाइल फोन के जरिए लोगों से ऑनलाइन ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। इसकी जानकारी मिलते ही देवघर पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर के निर्देश पर साइबर डीएसपी कैलाश प्रसाद महतो के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर छापेमारी कर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी ऑनलाइन शॉपिंग और डिजिटल पेमेंट के नाम पर लोगों को झांसे में लेते थे। वे ओटीपी भेजकर उसे साझा करने के लिए कहते थे और ओटीपी मिलते ही अपने शिकार के बैंक खातों से रकम निकाल लेते थे। इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 8 मोबाइल फोन, 8 सिमकार्ड और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं, जिनका इस्तेमाल साइबर ठगी में किया जाता था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजीत कुमार मंडल, दिनेश कुमार दास, अक्षय कुमार दास, प्रभात कुमार दास और संदीप कुमार दास के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि इनमें से कुछ आरोपियों का साइबर अपराध के मामलों में पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है।

कोडरमा में नेपाली दंपती के बीच मारपीट, पत्नी की मौत

सिर पर गहरा जख्म, कपड़े में नहीं लगा था खून, नेपाल भागने से पहले पकड़ाया

जांच के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। महिला के सिर पर गहरा जख्म पाया गया

शरीर और कपड़ों पर खून के निशान नहीं मिले, जिससे साक्ष्य मिटाने की आशंका जताई जा रही ह

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा के सदर थाना क्षेत्र स्थित भंडरवा की मिटको कॉलोनी में नेपाली दंपति के बीच मारपीट के बाद पत्नी की मौत का मामला सामने आया है। यह परिवार नेपाल के मोरंग जिले का रहने वाला है। मृतका का नाम रेशमा गजमई है। हत्या के आरोपी पति का नाम सुनील गजमई है। उसके दो बच्चे हैं।

आरोपी की मां जिले के सेक्रेड हार्ट स्कूल में ही काम करती है। मामले खुलासा तब हुआ जब परिवार महिला की लाश लेकर नेपाल जाने की तैयारी कर रहा था। पुलिस

ने उन्हें सेक्रेड हार्ट स्कूल के पास पकड़ लिया। पुलिस उनसे मामले को लेकर पूछताछ कर रही है।

मारपीट के बाद हत्या की आशंका

जानकारी के मुताबिक पूरा परिवार स्थानीय व्यवसाई महावीर यादव के यहां रहता था और घरेलू काम किया करता था। महावीर यादव ने बताया कि सुनील अपने परिवार के साथ पिछले 7 महीने से उनके यहां काम कर रहा है। वह उनके घर की साफ-सफाई सहित अन्य काम करता है। इधर शनिवार की सुबह वे अपने खदान पर चले गए थे। शाम को उन्हें सूचना मिली कि सुनील की पत्नी की हत्या हो गई है, जिसके बाद वे घर आए। उन्होंने बताया कि दोनों पति पत्नी शराब का सेवन करते थे। दोनों के बीच आए दिन विवाद होते रहता था।

बच्चों और पति के बयान में विरोधाभास

इधर, आरोपी पति सुनील गजमई ने पुलिस को बताया कि शनिवार सुबह उसका पत्नी से विवाद हुआ था, जिसके बाद रेशमा ने अत्यधिक शराब पी ली। उसने दावा किया कि वह घर से बाहर चला गया था। शाम को लौटने पर पत्नी को मृत पाया। वहीं, बच्चों ने पुलिस को अलग कहानी बताई। बच्चों के अनुसार, झगड़े के दौरान सुनील ने रेशमा को धक्का दिया, जिससे वह घर में स्थित कुएं के पास लगे लोहे के घेरे पर गिर गई। उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। बयान में विरोधाभास होने की वजह से मामला और गंभीर हो गया है। पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।

सिर पर गंभीर जख्म, कपड़े में नहीं मिला खून

जांच के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। महिला के सिर पर गहरा जख्म पाया गया। शरीर और कपड़ों पर खून के निशान नहीं मिले, जिससे साक्ष्य मिटाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि खून से सने कपड़े कहां गए और शव को देर से निजी क्लीनिक क्यों ले जाया गया। थाना प्रभारी अरविंद कुमार के अनुसार, पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा होगा।

संक्षिप्त समाचार

बहरागोड़ा में करोड़ों का 'पन्ना' जब्त, तीन तस्कर दबोचे गये

बहरागोड़ा, एजेंसी। बहरागोड़ा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर शनिवार शाम पीडब्ल्यूडी चौक के समीप घेराबंदी कर बेशकीमती पत्थर 'पन्ना' की तस्करी कर रहे तीन आरोपियों को रंगेहाथ पकड़ा। जब्त पन्ना का वजन लगभग एक किलो है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये है। रत्ती के भाव से बिकने वाले कीमती पत्थर की बरामदगी को पुलिस बड़ी उपलब्धि मान रही है। पकड़े गये आरोपियों में दो गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र के मुढ़ाकाटी के निवासी हैं, जबकि एक श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र का रहनेवाला है। उक्त मामले में वरीय पुलिस अधिकारी रविवार को प्रेस वार्ता कर विस्तृत खुलासा करेंगे। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने शनिवार सुबह एक संदिग्ध को पीडब्ल्यूडी चौक से हिरासत में लिया। उससे मिली कड़ियों के आधार पर शाम को चौक से दो अन्य तस्करों को पन्ना के साथ दबोचा गया। थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आयी है कि बेशकीमती पन्ना को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता ले जाकर किसी बड़े खरीदार को डिलीवर किया जाना था। फिलहाल पुलिस तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि इस अवैध नेटवर्क के तार कहां-कहां जुड़े हैं।

300 से ज्यादा सड़क-पुल टेंडर अटके, 15 जुलाई तक निबटारे की डेडलाइन

रांची, एजेंसी। झारखंड में स्वीकृत ग्रामीण सड़क और पुल निर्माण योजनाओं के 300 से अधिक टेंडर लंबित होने पर ग्रामीण कार्य विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। निर्धारित समय-सीमा के भीतर टेंडर निष्पादन नहीं होने से कई विकास योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में विभाग ने सभी लंबित टेंडरों का निष्पादन हर हाल में 15 जुलाई तक पूरा करने का निर्देश दिया है। वहीं, पीएम जन मन योजना-2 और योजना-3 के री-टेंडर का निबटारा 20 जुलाई तक करने की समय-सीमा तय की गयी है। विभागीय सचिव के निर्देश के बाद अभियंताओं और संबंधित अधिकारियों ने टेंडर प्रक्रिया में तेजी ला दी है, जिससे निर्माण कार्य समय पर शुरू कराया जा सके ।सरकार आदिम जनजातीय क्षेत्रों में रोड कनेक्टिविटी के लिए पीएम जन मन योजना से सड़कों की स्वीकृति देती है। ऐसे में पीएम जन मन योजना बैच टूव श्री से 139 रोड व 127 पुल की योजनाएं दी थी, लेकिन इनमें से एक भी योजना के लिए लेटर ऑफ अवार्ड जारी नहीं किया गया। सारे टेंडर अभी तक पेंडिंग है। इन योजनाओं के लिए फिर से निकाली गयी निविदा का निबटारा 20 जुलाई तक कर लेने को कहा गया है। इंजीनियरों का कहना है कि इस योजना का निबटारा समय पर होने में संशय है। ऐसे में मामला फंसेगा ।ग्रामीण कार्य विभाग व झारखंड स्टेट रूरल रोड डेवलपमेंट अथॉरिटी की ओर से 1100 से अधिक सड़कों का टेंडर निकला था। पीएम जन मन योजना बैच वन के तहत 74 पैकेज का टेंडर निकला था। एक पैकेज में तीन से चार योजनाएं शामिल थीं। इसमें से 10 पैकेज का टेंडर पेंडिंग रह गया। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से 40 योजनाओं का टेंडर निकला, लेकिन 24 टेंडर लंबित रह गये। वहीं, तीन योजना का फिर से टेंडर हुआ। इस योजना के तह एक से पांच करोड़ की 794 योजनाओं का टेंडर निकाला गया था। इसमें से 47 योजनाएं पेंडिंग रह गयीं।

16 जुलाई से धनबाद में गूंजेगा जगन्नाथ महोत्सव, चार दिनों तक भक्ति और संस्कृति का संगम

धनबाद, एजेंसी। भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस्कॉन धनबाद के तत्वावधान में 16 जुलाई से चार दिवसीय रथ यात्रा महोत्सव का शुभारंभ होगा। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। महोत्सव के दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और श्रद्धालुओं के लिए नि :शुल्क महाप्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। इस्कॉन धनबाद के अध्यक्ष प्रेम दास ने बताया कि यह लगातार छठा वर्ष है, जब शहर में इस भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। 16 जुलाई की सुबह जगन्नाथ हॉस्पिटल के सामने स्थित दुर्गा मंडप से रथ यात्रा प्रारंभ होगी। यात्रा रणधीर वर्मा चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए गोल्फ ग्राउंड स्थित अस्थायी गुंडीचा मंदिर पहुंचेगी। रास्ते में सात अलग-अलग स्थानों पर रथ का स्वागत किया जाएगा, जहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को पारंपरिक 56 भोग अर्पित किए जाएंगे। इस बार महोत्सव में छऊ नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। आदिवासी कलाकार पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य और भजन-कीर्तन करते हुए रथ यात्रा में शामिल होंगे। गोल्फ ग्राउंड में बनाए गए गुंडीचा मंदिर परिसर में 16 से 19 जुलाई तक दर्शन, आरती, प्रवचन, संकीर्तन, भजन संध्या और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ।प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक श्रद्धालुओं के बीच नि :शुल्क महाप्रसाद वितरित किया जाएगा।

राज्य सरकार इतनी संवेदनहीन कैसे हो सकती है : केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

विभागीय सचिव ने उन्हें आश्वासन दिया कि शीघ्र ही इसका समाधान निकाल लिया जाएगा

रांची, एजेंसी। झारखंड में पिछले चार महीने से टेक होम राशन (टीएचआर) के बंद होने की खबर पर केंद्र सरकार ने समाज कल्याण महिला एवं बाल विकास विभाग को ई-मेल भेज कर एक्शन-टेकेन रिपोर्ट मांगी है। 29 जून को दैनिक भास्कर में छपी खबर की कटिंग अटैच करते हुए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने ऐसी स्थिति के उत्पन्न होने का कारण पूछा है।

इस बीच केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह से फोन पर बात कर कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी। पूछा कि 13 लाख महिलाओं और बच्चों को आहार नहीं मिल रहा है, आखिर राज्य सरकार इतना संवेदनहीन कैसे हो सकती है, जब राज्य के 24 में से 17 जिलों में कुपोषण की स्थिति गंभीर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उमाशंकर सिंह ने स्वीकार किया कि पिछले अप्रैल से टेक होम राशन का वितरण बंद है। विभागीय सचिव ने उन्हें आश्वासन दिया कि शीघ्र ही इसका समाधान निकाल लिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि झारखंड में इस योजना का लाभ लेनेवाली गर्भवती महिलाओं की संख्या 1 लाख 45 हजार 385, धात्री महिलाओं की संख्या 1 लाख 15 हजार 857 और छह महीने से तीन साल तक के बच्चों की संख्या 10 लाख 32 हजार 804 है। इनकी कुल संख्या 12 लाख 94 हजार 46 है। इस योजना में केंद्र सरकार और राज्य सरकार दोनों 50:50 प्रतिशत की राशि देती हैं। टीएचआर नहीं मिलने का कारण और इसका समाधान इंटरलिंक्स फूड्स प्रालि।, आदित्य फ्लोर लि। और कोटा दाल मिल टेक होम राशन की आपूर्ति करती हैं। इन तीनों कंपनियों को राज्य के 24 में से 8-8 जिले आवंटित किए गए हैं। टीएचआर देने की इनकी अवधि समाप्त हो चुकी है। ऐसे में न तो उन्हें वर्क आर्डर दिया जा रहा है और न ही यह एजेंसियां पोषाहार की आपूर्ति ही कर रही हैं।

पिछले साल दिसंबर में इन एजेंसियों को अवधि विस्तार दिया गया था। पर, अभी न तो अवधि विस्तार की कोई सूचना है और न ही नया टेंडर निकालने का प्रस्ताव है। हालांकि समाज कल्याण निदेशक किरण कुमारी पासी ने बताया कि उक्त तीनों एजेंसियों को अवधि विस्तार देने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस पर विभागीय मंत्री की सहमति मिल चुकी है। कैबिनेट से शीघ्र ही इसे पारित होने की उम्मीद है।

टेक होम राशन (टीएचआर) में मुख्य रूप से फोर्टिफाइड (पोषक तत्वों से भरपूर सूखा राशन) होता है। लाभार्थियों को दाल, मूंगफली, गुड़ और स्थानीय अनाज जैसे पौष्टिक तत्वों से बने पैकेट दिए जाते हैं। यह राशन गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और छोटे बच्चों (6 महीने से 3 साल तक) को पोषण देने के लिए दिए जाते हैं, ताकि उनका कुपोषण दूर हो सके। इसका उद्देश्य बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार लाना है। यह सूखे राशन के रूप में दिया जाता है, ताकि लाभार्थी इसे घर ले जाकर खा सकें।

फूड सिक्यूरिटी एक्ट का उल्लंघन

अन्नपूर्णा केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि यह स्थिति शर्मनाक और फूड सिक्यूरिटी एक्ट का उल्लंघन है। जब राज्य सरकार को यह पता है कि आपूर्ति करने वाली एजेंसी की अवधि मार्च तक है, तो उन्हें मार्च तक यह निर्णय ले लेना चाहिए था कि अब आपूर्ति की व्यवस्था क्या होगी। दरअसल झारखंड सरकार की प्राथमिकता सूची में महिलाएं और बच्चे हैं ही नहीं।

बच्चे को जन्म देने के बाद मां की मौत, परिजनों ने अस्पताल पर लगाया लापरवाही का आरोप

कोडरमा , एजेंसी। झारखंड के झुमरी तिलैया शहर के बाईपास स्थित जीवन ज्योति क्लिनिक में प्रसव के लिए भर्ती 28 वर्षीय महिला की ऑपरेशन के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हालांकि नवजात बेटा पूरी तरह सुरक्षित बताया जा रहा है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि समय पर उचित देखभाल नहीं किए जाने के कारण महिला की जान चली गई।

मृतका के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि समय पर उचित देखभाल नहीं किए जाने के कारण महिला की जान चली गई। मृतका की पहचान गुड़िया देवी (28) के रूप में हुई है। उनका ससुराल लखनऊ में है, जबकि मायका हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड अंतर्गत रेबो करमा गांव में है। उनके पति का नाम यतिराज पासवान है। परिजनों ने बताया कि बुधवार को गुड़िया देवी को हल्का प्रसव पीड़ा और रक्तस्राव होने पर उन्हें शहर के जीवन ज्योति क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने ऑपरेशन के माध्यम से उनका तीसरा प्रसव कराया, जिसमें एक स्वस्थ पुत्र का जन्म हुआ। ऑपरेशन के बाद मां और नवजात दोनों की स्थिति सामान्य बताई गई थी। परिजनों के अनुसार रात करीब 10 बजे वे अस्पताल में खाना लेकर पहुंचे थे। उस समय गुड़िया देवी पूरी तरह होश में थीं और उन्होंने भोजन भी किया। रात लगभग 12 बजे परिजन अस्पताल से अपने घर चले गए। लेकिन गुरुवार सुबह करीब 4 बजे मृतका के मामा के मोबाइल पर अस्पताल से फोन आया कि गुड़िया देवी की मौत हो गई है। यह सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल कर्मियों ने मरीज की समुचित निगरानी नहीं की और लापरवाही बरती, जिसके कारण उनकी मौत हो गई।

बड़कागांव में कोयला लदे हाइवा की चपेट में युवक की मौत

बड़कागांव, एजेंसी। हजारीबाग जिले के बड़कागांव के 13 माइल से जुगरा जाने वाली ट्रांसपोर्टिंग सड़क पर कोयला लदे हाइवा की चपेट में आने से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गयी। घटना के विरोध में आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शनिवार देर रात से सड़क जाम कर दिया, जो रविवार सुबह तक जारी रहा। जाम के कारण ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर कोयला वाहनों सहित अन्य वाहनों की लंबी कतार लग गयी और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

मृतक की पहचान चेपाकला गांव निवासी नरेश कुमार महतो (पिता- यीशु महतो) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि लोहा पुल के समीप हाइवा की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गये थे। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी।

ग्रामीणों ने बताया कि नरेश अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गये हैं। घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और गांव में शोक का माहौल है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को रोजगार और दुर्घटना के जिम्मेदार चालक पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से वार्ता कर जाम समाप्त कराने का प्रयास शुरू किया।समाचार लिखे जाने तक दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी थी।

सरकारी आईटीआई के लैब बनेंगे हाईटेक

:ऐसे कोर्स शुरू होंगे जिनकी उद्योगों में अधिक मांग

रांची, एजेंसी। झारखंड के आईटीआई में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। अब यहां केवल पारंपरिक ट्रेडों की पढ़ाई ही नहीं होगी, बल्कि उद्योगों की जरूरत के अनुसार आधुनिक तकनीक और नए कौशल भी सिखाए जाएंगे।

इसके लिए श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग ने प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतू) योजना के तहत उद्योगों से साझेदारी के लिए रुचि मांगी है। विभाग ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किया है। राज्य में कुल 77 आईटीआई हैं। इनके इंफ्रास्ट्रक्चर और लैब में बदलाव का प्रस्ताव है। इसके साथ ही पाठ्यक्रम में भी बदलाव किए जाएंगे।

पीएम-सेतू योजना का उद्देश्य सरकारी आईटीआई को आधुनिक और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण केंद्र बनाना है। इसके तहत झारखंड के चयनित आईटीआई में नई मशीनें लगाई जाएंगी, आधुनिक प्रयोगशालाएं विकसित होंगी और डिजिटल लर्निंग की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही ऐसे नए कोर्स शुरू किए जाएंगे, जिनकी आज उद्योगों में सबसे ज्यादा मांग है।

इस योजना की सबसे खास बात उद्योगों की

सीधी भागीदारी है। प्रत्येक आईटीआई क्लस्टर के लिए एक स्पेशल पर्पस व्हीकल (एसपीवी) बनाया जाएगा, जिसमें राज्य सरकार और उद्योग मिलकर संस्थान के विकास की योजना तैयार करेंगे। उद्योग केवल सलाह ही नहीं देंगे, बल्कि आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने, पाठ्यक्रम तैयार करने, प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग देने, अप्रेंटिसशिप और छात्रों के प्लेसमेंट में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस योजना में पहली बार उद्योगों की सीधी भागीदारी होगी। उद्योग और सरकार मिलकर आईटीआई का संचालन करेंगे। कंपनियां यह तय करने में मदद करेंगी कि कौन-से नए कोर्स शुरू हों, किस तरह का प्रशिक्षण दिया जाए और छात्रों को अप्रेंटिसशिप व नौकरी कैसे मिले। इससे प्रशिक्षण पूरी तरह उद्योगों की जरूरत के अनुसार होगा। हब आईटीआई आसपास के अन्य आईटीआई को तकनीकी सहयोग देंगे और प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने में मदद करेंगे।

झारखंड सरकार का मानना है कि इस पहल से आईटीआई की पढ़ाई पूरी करने वाले युवाओं को उद्योगों की जरूरत के मुताबिक कौशल मिलेगा। इससे उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर मिलेंगे और राज्य के उद्योगों को भी प्रशिक्षित मानव संसाधन आसानी से उपलब्ध होगा। आधुनिक तकनीक, उद्योगों की भागीदारी और बेहतर प्लेसमेंट व्यवस्था के साथ झारखंड के आईटीआई युवाओं के लिए रोजगार का मजबूत माध्यम बनेंगे।

छात्रों को एडवांस मैन्युफैक्चरिंग, इंडस्ट्री 4।0, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल तकनीक, सेवा क्षेत्र और मल्टी-स्किल जैसे आधुनिक विषयों की ट्रेनिंग मिलेगी। उद्योगों में ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग, सॉफ्ट स्किल्स, करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सहायता भी दी जाएगी, ताकि प्रशिक्षण पूरा होते ही युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना बढ़ सके।

सदर अस्पताल में गर्भवती महिला और अजन्मे बच्चे की मौत, परिजनों ने डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला खरसावां जिला के राजनगर सीएचसी में जच्चा बच्चा के मौत का मामला थमा ही नहीं की सरायकेला सदर अस्पताल में एक और मामला सामने आया है। प्रसव के लिए सदर अस्पताल लाई गई एक गर्भवती महिला की रविवार सुबह मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हंगामा मच गया। मृतका के परिजनों ने ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार, सरायकेला थाना क्षेत्र के कांदागोड़ा निवासी गुरा पूरती अपनी गर्भवती पत्नी शुरू पूरती को शनिवार शाम करीब 7 बजे प्रसव के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ। रीमा ने महिला को दो इंजेक्शन लगाए, जिसके बाद रात में उनकी समुचित निगरानी नहीं की गई, रविवार सुबह जांच के दौरान चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति गुरा पूरती का आरोप है कि पत्नी की मौत की जानकारी देने के तुरंत बाद चिकित्सक ने शव को जल्द घर ले जाने का दबाव बनाया, उनका कहना है कि इस दौरान कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर भी कराए गए और जल्दबाजी में एंबुलेंस उपलब्ध कराकर शव को वार्ड से बाहर भेज दिया गया। घटना के बाद परिजनों में भारी आक्रोश देखा गया। उनका आरोप है कि यदि समय पर उचित इलाज या रेफर किया जाता, तो महिला और गर्भस्थ शिशु की जान बचाई जा सकती थी। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मामले में डॉ। रीमा ने बताया कि गर्भवती महिला के शरीर में हीमोग्लोबिन की गंभीर कमी थी। उनके अनुसार, रात में ही सहिया को मरीज की स्थिति से अवगत कराते हुए उसे उच्च संस्थान रेफर करने की सलाह दी गई थी।

हालांकि, मृतका के पति ने चिकित्सक के इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि रात में उन्हें या उनके परिवार को रेफर करने अथवा मरीज की गंभीर स्थिति के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई। पति का यह भी आरोप है कि जब चिकित्सक से इस संबंध में सवाल पूछे गए, तो उन्होंने संतोषजनक जवाब देने के बजाय बातचीत समाप्त करते हुए कहा, जो करना है कर लो।

दो साल से बिना अध्यक्ष और सदस्यों के चल रही रांची सीडब्ल्यूसी, भगवान भरोसें बच्चे

रांची, एजेंसी। बच्चों की सुरक्षा, न्याय और पुनर्वास के लिए बनायी गयी संस्था बाल कल्याण समिति ( ) पिछले लगभग दो वर्षों से रांची जिले में अध्यक्ष और नियमित सदस्यों के अभाव में चल रही है। पांच सदस्यीय समिति की सभी नियमित सीटें खाली हैं। फिलहाल लोहरदगा जिले की अध्यक्ष और एक सदस्य को अतिरिक्त प्रभार देकर व्यवस्था चलायी जा रही है। वे सप्ताह में दो दिन रांची में बैठक कर पाते हैं, जबकि शेष दिनों में समिति का कामकाज ठप रहता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी सीडब्ल्यूसी पर है, आखिर उनका न्याय कौन सुनिश्चित करेगा।

यह स्थिति केवल रांची तक सीमित नहीं है। पड़ोसी जिले खूंटी, रामगढ़ और हजारीबाग में भी सीडब्ल्यूसी अधूरी क्षमता के साथ काम कर रही है। रामगढ़ की एक सदस्य को भी अतिरिक्त प्रभार देकर रांची में सेवा ली जा रही है। नतीजा यह है कि अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले बच्चों और उनके परिजनों को कई बार निराश होकर लौटना पड़ता है।

सीडब्ल्यूसी में पॉक्सो, मानव तस्करी, बाल श्रम, मारपीट, गुमशुदगी, चोरी, परित्याग और अन्य अपराधों के शिकार बच्चों के मामलों की सुनवाई होती है। इसके अलावा विभिन्न छात्रवृत्तियां एवं पुनर्वास योजनाओं से जुड़े मामलों में भी बच्चों को समिति के समक्ष उपस्थित होना पड़ता है। लेकिन समिति के नियमित गठन नहीं होने से मामलों के निष्पादन में देरी हो रही है और कई बच्चों को समय पर न्याय एवं संरक्षण नहीं मिल पा रहा है। बाल अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि समिति में रिक्त पदों के कारण बच्चों के रेस्क्यू अभियान भी प्रभावित हो रहे हैं। पिछले दो वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आये, जिनमें समय पर सीडब्ल्यूसी का हस्तक्षेप नहीं हो सका।

25 वर्षों से सड़क का इंतजार, बारिश में गांव बन जाता है टापू, मरीजों को चारपाई पर ढोने को मजबूर

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के चैनपुर प्रखंड मुख्यालय से महज दो किलोमीटर दूर स्थित रांकी और हमीनपुर गांव के ग्रामीण पिछले 25 वर्षों से सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं। सड़क नहीं बनने के कारण हर वर्ष बारिश के चार महीने ग्रामीणों की परेशानी कई गुना बढ़ जाती है। जर्जर सड़क और नाले के कारण गांव तक वाहन नहीं पहुंच पाते, जिससे लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में स्कूली बच्चों का स्कूल जाना लगभग असंभव हो जाता है। वहीं, किसी के बीमार होने या गर्भवती महिलाओं को प्रसव पीड़ा होने की स्थिति में एंबुलेंस और अन्य वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाते। मजबूरी में मरीजों और गर्भवती महिलाओं को चारपाई पर उठाकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है, जिसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया जाता है। सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर गांव की महिलाओं में काफी आक्रोश है। उनका कहना है कि कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से सड़क निर्माण की मांग की गई, लेकिन आज तक कोई ठोस पहल नहीं हुई।

रांकी और हमीनपुर गांव भड़गांव पंचायत के अंतर्गत आते हैं, जहां की मुखिया सुनीता देवी हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत स्तर पर भी सड़क निर्माण की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने अब पलामू के उपायुक्त (डीसी) से सड़क निर्माण की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि जिला प्रशासन ही उनकी आखिरी उम्मीद है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कराया जाए, ताकि बच्चों की शिक्षा, मरीजों का इलाज और गांव की आवाजाही की समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

चेन स्नैचरों ने गिरिडीह पुलिस को ललकारा,

डेढ़ घंटे के अंदर रिहाइसी इलाके में घुसकर तीन घटनाओं को दिया अंजाम

गिरिडीह, एजेंसी। दिन एक ही, समय शाम का और एक घंटे के अंदर तीन थाना इलाके में बाइक सवार उच्चकों ने चेन स्नेचिंग की अलग- अलग घटना को अंजाम दे डाला। तीनों घटना गिरिडीह शहरी इलाके की हैं। घटना तीन अलग-अलग थाना इलाके की हैं। खास बात यह है कि तीनों थानों की सीमाएं एक-दूसरे से सटी हुई हैं। घटना नगर थाना क्षेत्र बरगंडा, मुफस्सिल थाना क्षेत्र सिहोडीह और पचम्बा थाना क्षेत्र कृष्णानगर की हैं।

पहली घटना पचम्बा थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर गली नंबर-2 में घटी। यहां शनिवार की शाम लगभग 5:30 बजे अपाची बाइक पर सवार उच्चकों ने महिला के गले से सोने का चेन छीन लिया। अपराधियों ने जिस महिला से छिनतई की उसका नाम सोनी कुमारी है। सोनी शनिवार को अपने बच्चे को ट्यूशन छोड़ने जा रही थी। इसी दौरान अपाची बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन झपट लिया और मौके से फरार हो गए।

दूसरी घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह में शाम लगभग 6:30 में घटी। यहां संगीता देवी सोनबाद गई थी। वहां रिश्तेदार से मिलकर अपने घर लौट रही थी। जैसे ही वह मंगल मूर्ति लॉज के पास पहुंची और घर जाने के लिये गली में दाखिल हुई तभी सामने एक बाइक पर सवार हेलमेट लगाए दो बदमाश पहुंचे। एक ने संगीता के गले से तकरीबन डेढ़ लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन छीन ली और तेज रफ्तार से फरार हो गए।

सूचना मिलने पर मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो दलबल के साथ पहुंचे। पीड़िता का बयान दर्ज किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालने का काम किया। सीसीटीवी फुटेज में अपराधियों का बाइक और काफी हद तक हुलिया दिखा है। जिसके आधार पर कार्रवाई चल रही हैं।

तीसरी घटना शहर के सबसे रिहासई इलाके में से नगर थाना इलाके के न्यू बरगंडा में घटी। यहां नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के घर के पास एक बाइक पर सवार होकर आए दो उच्चकों ने आशा देवी नामक महिला के गले से सोने का चेन छीन लिया और फिर रफूचक्कर हो गए। महिला चिल्लाती रह गई।

आशा देवी के मुताबिक शनिवार की शाम छह बजे वह सब्जी लेने के लिए पावर हाउस चौक गई थी। वहां से जब वह लौट रही थी तो शाम लगभग 7 बजे बाइक पर सवार दो युवक उसके नजदीक पहुंचे और गले से सोने की चेन छीन ली। इधर घटना की जानकारी पर आशा देवी का पुत्र (विष्णुगढ़ हजारीबाग का अंचल निरीक्षक) राजेश चौधरी रात में ही पहुंच गए। आशा देवी ने इस घटना को लेकर नगर थाना में शिकायत की हैं। आशा ने बताया कि चेन 22 ग्राम का था।

इधर, तीनों थाने का वीडियो फूटेज खंगालने का काम किया गया। यहां एक बात साफ हुई कि पचम्बा थाना कई घटना में अपाची बाइक का उपयोग किया गया हैं। जबकि मुफ्फसिल तथा नगर थाना की घटना को एक बाइक पर सवार अपराधियों ने अंजाम दिया हैं। यह आशंका व्यक्त की जा रही हैं कि मुफ्फसिल और नगर थाना की घटना को एक ही अपराधियों ने अंजाम दिया होगा।

इधर, डेढ़ से दो घंटे के अंदर एक के बाद एक तीन चेन स्नेचिंग की घटना को एसपी ने गंभीरता से लेते हुए विशेष जांच दल का गठन किया हैं। टीम में सदर एसडीपीओ के साथ दोनों डीएसपी, मुफ्फसिल इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी, नगर इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी, पचम्बा थाना प्रभारी के अलावा मुफ्फसिल - नगर में पदस्थापित कई अधिकारियों को शामिल किया गया हैं। टीम की मॉनिटरिंग एसपी खुद कर रहे हैं।

एसपी डॉ बिमल कुमार कि चेन स्नेचिंग की घटना के बाद एसआईटी का गठन किया गया हैं। टीम जांच कर रही हैं। संदिग्ध की तलाश में तेज की गई हैं। बहुत जल्द ही सभी अपराधी पकड़े जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

कुख्यात अपराधी गोलू चौधरी गिरफ्तार, 2021 के लूट-गोलीकांड का था आरोपी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के टॉप-10 वांछित अपराधियों की सूची में शामिल कुख्यात अपराधी गोलू चौधरी को बिहार एसटीएफ और साहेबगंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। साल 2021 से फरार चल रहे गोलू चौधरी को गुप्त सूचना पर पटना के दानापुर रेलवे स्टेशन के पास छापेमारी कर पकड़ा गया। पूछताछ के बाद उसे स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया। गोलू चौधरी साहेबगंज थाना क्षेत्र के धनैया गांव का निवासी है। पुलिस के अनुसार, वह 17 नवंबर 2021 को साहेबगंज थाना क्षेत्र के नवलपुर कांटा मोड़ के पास हुई लूट और गोलीबारी की घटना का मुख्य आरोपी है। इस मामले में मधुबनी निवासी विलास राम के पोते संजय राम को गोली मारी गई थी। शिकायत के अनुसार, संजय राम अपने दो साथियों के साथ बाइक से लौट रहा था। तीन अपराधियों ने बाइक रोकी और चाबी मांगी। विरोध करने पर अपराधियों ने संजय राम को पेट में गोली मार दी और मोटरसाइकिल लूटकर फरार हो गए थे। इस कांड में शामिल दो अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि गोलू चौधरी के खिलाफ साहेबगंज थाना में लूट, डकैती, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और अवैध हथियार रखने समेत कई मामले दर्ज हैं। आरोपी लगातार अपनी पहचान छिपाकर पुलिस को चकमा दे रहा था। एसएसपी ने कहा कि जिले में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी और अपराध नियंत्रण के लिए लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में एसटीएफ और साहेबगंज थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गोलू चौधरी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया गया। न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी : पूछताछ के दौरान पुलिस आरोपी के आपराधिक नेटवर्क और अन्य लंबित मामलों की जानकारी जुटा रही है। गोलू चौधरी के खिलाफ दर्ज अन्य मामलों की भी गहन जांच की जा रही है। पूछताछ पूरी होने के बाद गोलू चौधरी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। पुलिस का दावा है कि इस गिरफ्तारी से जिले में अपराधियों के मनोबल पर ब्रेक लगेगा।

15 जुलाई से बिहार में बदल जाएगा जमीन रजिस्ट्री का तरीका, अब ऐसे होगी पूरी प्रक्रिया

पटना, एजेंसी। बिहार में जमीन की रजिस्ट्री प्रक्रिया में बदलाव होने जा रहा है। 15 जुलाई से राज्य के सभी निबंधन कार्यालयों में पेपरलेस रजिस्ट्री व्यवस्था लागू करने की तैयारी अंतिम चरण में है। नई व्यवस्था के तहत जमीन से जुड़े दस्तावेजों की रजिस्ट्री पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से होगी। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को नई व्यवस्था को लेकर दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग ने पात्र आवेदकों को जल्द से जल्द सर्विस प्रोवाइडर का लाइसेंस जारी करने को कहा है, ताकि डिजिटल रजिस्ट्री व्यवस्था सुचारू रूप से शुरू हो सके। नई व्यवस्था में वर्तमान में काम कर रहे अनुज्ञप्तिधारी दस्तावेज नवीस (कातिब), प्रशिक्षु दस्तावेज नवीस, स्टांप वेंडर और रजिस्ट्री कार्य से जुड़े अधिवक्ताओं को सर्विस प्रोवाइडर के रूप में काम करने की अनुमति दी गई है। बिहार स्टांप नियमावली, 2026 के तहत इन्हें निर्धारित शैक्षणिक और अन्य योग्यताओं में विशेष छूट भी दी गई है। इससे रजिस्ट्री प्रक्रिया से जुड़े अनुभवी लोगों को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने में मदद मिलेगी। नई व्यवस्था में सर्विस प्रोवाइडर की भूमिका काफी अहम होगी। वे आईआरएस पोर्टल पर जमीन खरीद-बिक्री करने वाले पक्षकारों की पूरी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करेंगे। इसके अलावा दस्तावेजों की ई-फाइलिंग, ई-साइन, बायोमेट्रिक सत्यापन, संपत्ति का सरकारी मूल्यांकन, स्टांप शुल्क और निबंधन शुल्क का निर्धारण भी ऑनलाइन किया जाएगा। पेपरलेस रजिस्ट्री लागू होने के बाद लोगों को निबंधन कार्यालयों में कागजी प्रक्रिया से काफी राहत मिलेगी। पूरी प्रक्रिया एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होने से समय की बचत होगी। सरकार का मानना है कि नई व्यवस्था से रजिस्ट्री प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी, तेज और आसान बनेगी। इससे निबंधन सेवाओं में डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। बांका जिले में हर दिन औसतन करीब 100 दस्तावेजों की रजिस्ट्री होती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में कुल 25,103 दस्तावेजों का निबंधन किया गया। इसमें बांका निबंधन कार्यालय में 13,248 और अमरपुर निबंधन कार्यालय में 11,882 दस्तावेजों की रजिस्ट्री हुई। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बांका जिले को 86.38 करोड़ रुपये राजस्व वसूली का लक्ष्य दिया गया था। इसके मुकाबले 31 मार्च तक 92.89 करोड़ रुपये की वसूली हुई, जो लक्ष्य का 107 फीसदी है। बांका निबंधन कार्यालय को 55.45 करोड़ रुपये का लक्ष्य मिला था, जबकि यहां 59.33 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ। वहीं, अमरपुर निबंधन कार्यालय ने 30.93 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 33.56 करोड़ रुपये की वसूली की।

बांकीपुर उपचुनाव: दिल्ली से हो रही मॉनिटरिंग, हर बूथ पर जिम्मेदारी तय

रोड शो-जनसंपर्क और नुक्कड़ सभाओं का प्लान तैयार

पटना, एजेंसी। बांकीपुर विधानसभा उप चुनाव के दिन अब ज्यादा नहीं रह गए हैं। इसलिए भाजपा की तैयारियां जोरों पर है। पहले घोषित कैंडिडेट अभिषेक सिन्हा ने नाम वापस लेने का ऐलान कर दिया। पार्टी ने उनकी जगह नीरज सिन्हा को नया उम्मीदवार बनाया है।

बांकीपुर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का विधानसभा क्षेत्र रहा है। इसलिए इस चुनाव को उनकी प्रतिष्ठा से भी जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार भले ही वे इन दिनों दिल्ली में हैं, लेकिन चुनाव की पूरी मॉनिटरिंग वहीं से कर रहे हैं। नितिन मंडल अध्यक्ष, बूथ प्रभारियों और कोर टीम के नेताओं से फोन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संपर्क में हैं। चुनावी फीडबैक के आधार पर रणनीति भी तय हो रही है।

बीजेपी ने चुनाव प्रचार को पूरी तरह माइक्रो मैनेजमेंट के आधार पर चलाने का फैसला किया है। किस नेता को किस वार्ड, मोहल्ले और किस समय प्रचार करना है, इसकी अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की गई हैं। उम्मीदवार के साथ रोड शो, जनसंपर्क, नुक्कड़ सभा और स्थानीय बैठकों का पूरा कैलेंडर तैयार किया गया है ताकि प्रचार में कोई खाली जगह न रहे।

बीजेपी की सबसे बड़ी रणनीति अब बूथ प्रबंधन को मजबूत करना है। बांकीपुर विधानसभा के सभी 422 बूथों के लिए

अलग-अलग जिम्मेदार नेताओं की नियुक्ति की गई है। इनमें विधायक, सांसद, जिला और मंडल पदाधिकारी सहित संगठन के अनुभवी कार्यकर्ता शामिल हैं।

डैमैज कंट्रोल के मोड में पार्टी : हर प्रभारी को मतदान के दिन अपने बूथ पर अधिकतम समर्थकों को दोपहर तक मतदान केंद्र तक पहुंचाने का लक्ष्य दिया गया है। पार्टी का मानना है कि यदि अपने पारंपरिक वोटरों का अधिक से अधिक मतदान कर लिया गया तो उम्मीदवार बदलने से राजनीतिक चुनौती का असर काफी हद तक कम किया जा सकता है।

उम्मीदवार बदलने के बाद बीजेपी अब पूरी तरह डैमेज कंट्रोल मोड में है। युवा उम्मीदवार, संगठन आधारित प्रचार, दिल्ली से सीधे चुनाव संचालन, वरिष्ठ नेताओं की सक्रिय भागीदारी और बूथ स्तर तक माइक्रो मैनेजमेंट के जरिए पार्टी बांकीपुर में चुनावी मुकाबले को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रही है।

उम्मीदवारी वापसी पर बीजेपी का बचाव : पार्टी के भीतर यह संदेश भी प्रमुखता से दिया जा रहा है कि अभिषेक बंटी की उम्मीदवारी मजबूरी में वापस ली गई ताकि भविष्य में किसी भी तरह का राजनीतिक विवाद या पुराने मामलों को लेकर विपक्ष को हमला करने का मौका न मिले।

बीजेपी यह भी प्रचारित कर रही है कि उम्मीदवार बदलने के बावजूद पार्टी ने किसी बड़े चेहरे को नहीं बल्कि बूथ स्तर पर लंबे समय तक काम करने वाले युवा कार्यकर्ता को टिकट देकर संगठन सर्वोपरि होने का संदेश दिया है।

नीरज को दोस्त-सहपाठी बताकर प्रचार करने की रणनीति : बीजेपी ने चुनाव प्रचार की नई रणनीति में युवाओं को सबसे बड़ा लक्ष्य बनाया है। पार्टी के प्रचारकों और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि वे नीरज सिन्हा को क्षेत्र का अपना साथी, मित्र और सहपाठी बताकर मतदाताओं तक पहुंचें।

इसके साथ ही यह भी प्रचारित किया जा रहा है कि वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी के बावजूद पार्टी ने जानबूझकर युवा नेतृत्व पर भरोसा जताया है। मोहल्ला स्तर पर छोटी बैठकों, घर-घर संपर्क और सोशल मीडिया के जरिए भी इसी संदेश को मजबूत किया जा रहा है।

युवा चेहरे से राजनीतिक संदेश देने की तैयारी : उम्मीदवार बदलने के बाद बीजेपी अब पूरी ताकत के साथ यह संदेश देने में जुट गई है कि पार्टी में केवल बड़े नेताओं या प्रभावशाली चेहरों को ही नहीं बल्कि जमीनी कार्यकर्ताओं को भी आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। पार्टी नए उम्मीदवार नीरज सिन्हा को एक साधारण कार्यकर्ता, मंडल स्तर से संघर्ष कर आगे बढ़ने वाले युवा चेहरे और संगठन के समर्पित सिपाही के रूप में पेश कर रही है। बीजेपी का मानना है कि इससे युवाओं और संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच सकारात्मक संदेश जाएगा कि मेहनत करने वालों को पार्टी सम्मान देती है।

कैंडिडेट घोषणा के 24 घंटे अंदर नामांकन वापस : बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में उम्मीदवार बदलने का फैसला भारतीय जनता पार्टी बीजेपी के लिए राजनीतिक रूप से बड़ी चुनौती बन गया है। पार्टी ने पहले अभिषेक बंटी को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन घोषणा के महज 24 घंटे के भीतर उनका नामांकन वापस लेने का फैसला लिया गया।इसके तुरंत बाद बीजेपी ने नीरज सिन्हा को नया प्रत्याशी घोषित कर दिया। हालांकि पार्टी ने तेजी से नया उम्मीदवार उतारकर नुकसान की भरपाई की कोशिश की लेकिन इस घटनाक्रम ने विपक्ष को बीजेपी पर सवाल उठाने का बड़ा अवसर दे दिया। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर और आरजेडी लगातार इसे मुद्दा बनाकर बीजेपी के निर्णय पर निशाना साध रहे हैं।

हॉस्टल में 10 वर्षीय छात्र की मौत, परिजनों ने बताया मर्डर, हिरासत में दो शिक्षक

बगहा, एजेंसी। बिहार के बगहा में 10 वर्षीय छात्र की संदिग्ध मौत हो गई। पुलिस जिला के लौकरिया थाना क्षेत्र स्थित हरनाटांड़ स्थित निजी विद्यालय सह छात्रावास का ये मामला है। परिजनों ने इसे हत्या बताया है। वहीं शिकायत के बाद दो शिक्षकों को हिरासत में लिया गया है।

हॉस्टल में मौत से सनसनी

मृतक की पहचान वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के भेड़िहारी कर्माहा टोला वार्ड-15 निवासी राज किशोर शर्मा के पुत्र प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। उसकी उम्र 10 वर्ष बताई जा रही है। प्रिंस एक प्राइवेट स्कूल के छात्रावास में रहकर पढ़ाई करता था।

क्या है आरोप

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह प्रिंस का शव हॉस्टल के बेड पर पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि बीती शाम विद्यालय के शिक्षक हेमराज कुमार और दीपक कुमार ने बच्चों के साथ मारपीट की थी। उनका दावा है कि प्रिंस के शरीर विशेषकर आंख और पीठ के पिछले हिस्से पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है।वहीं, सूचना मिलते ही रामनगर एसडीपीओ रागिनी कुमारी, बगहा एसडीपीओ निहार भूषण लौकरिया थानाध्यक्ष रमन कुमार और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेज दिया।

क्या बोलीं एसडीपीओ

पुलिस ने मामले में शिक्षक हेमराज कुमार और दीपक कुमार को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। रामनगर एसडीपीओ रागिनी कुमारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होता है।

वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट फॉरेंसिक जांच और पूछताछ के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। 'प्रारंभिक पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि मृतक छात्र प्रिंस कुमार के साथ बीती रात शिक्षक एवं संचालक द्वारा मारपीट किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस द्वारा शव को विधिसम्मत कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेज दिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

नालंदा विश्वविद्यालय में खुलेगा जैन अध्ययन केंद्र

कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने की घोषणा, कहा- वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाना मकसद

नालंदा, एजेंसी। नालंदा विश्वविद्यालय अपनी पुरानी गौरवशाली परंपरा को आधुनिक वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नई ऊंचाइयां प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार के तहत अब जल्द ही 'जैन अध्ययन केंद्र' (सेंटर फॉर जैन स्टडीज) की स्थापना की जाएगी।

यह महत्वपूर्ण घोषणा नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने हैदराबाद के कान्हा शांति वनम् में आयोजित 'द हार्ट ऑफ ए जैन' अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव के दौरान की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, गहन दार्शनिक चिंतन और शोध को वैश्विक स्तर पर एक नई और मजबूत पहचान दिलाना है।

अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव के दौरान कुलपति प्रो। चतुर्वेदी ने हार्टफुलनेस संस्था के अध्यक्ष और प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु दाजी (कमलेश डी। पटेल) से भेंट की। इस दौरान दोनों दिग्गजों ने भारतीय ज्ञान परंपरा, मानवीय मूल्यों के संरक्षण और वैश्विक जलवायु संकट के समाधान जैसे

गंभीर विषयों पर चर्चा की। पूज्य दाजी ने कुलपति को अपनी नवीनतम पुस्तक 'द हार्ट ऑफ जैनिज्म' की हस्ताक्षरित प्रति भेंट की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोफेसर चतुर्वेदी ने वर्तमान वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए जैन दर्शन की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज विश्व जिन युद्धों, सामाजिक संघर्षों और पर्यावरणीय असंतुलन से जूझ रहा है, उसका सटीक समाधान भगवान ऋषभदेव की शिक्षाओं में निहित है। कुलपति ने कहा कि ऋषभदेव की ओर से प्रतिपादित नैतिक नेतृत्व, अहिंसा और प्रकृति के साथ समन्वय के सिद्धांत आज के युग में भी पूरी दुनिया को सही दिशा देने में सक्षम हैं। उन्होंने दाजी की पुस्तक को आधुनिक समाज के लिए जैन दर्शन का सरल और सारगर्भित मार्गदर्शक बताया।

पर्यावरण संरक्षण का लिया जायजा : हैदराबाद प्रवास के दौरान कुलपति ने हार्टफुलनेस के पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को भी करीब से देखा। उन्होंने 'हार्टफुलनेस सीड साइंस लैबोरेट्री' का निरीक्षण किया और जैव विविधता को बढ़ावा देने और लुप्तप्राय पौधों के संरक्षण की दिशा में किए जा रहे काम की सराहना की।नालंदा विश्वविद्यालय और हार्टफुलनेस के बीच भविष्य में एक व्यापक सहयोग की नींव रखी गई है। दोनों संस्थान भविष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा, पर्यावरण और मानव कल्याण के क्षेत्र में साझा कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

बिहार पुलिस महकमे में हड़कंप, जेल में बंद अपराधी के मोबाइल ने खोला थानाध्यक्ष का राज

मोतिहारी, एजेंसी। पूर्वी चंपारण के मोतिहारी से पुलिस महकमे को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। चंपारण रेंज के डीआईजी हरिकिशोर राय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लखौरा थाना प्रभारी प्रवीण कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। थाना प्रभारी पर जेल में बंद एक कुख्यात अपराधी से कथित साठगांठ, व्हाट्सएप पर लगातार बातचीत, महंगे गिफ्ट लेने और केस में मदद के नाम पर रिश्वत लेने जैसे गंभीर आरोप लगे थे।

गंभीर आरोपों के बाद थाना प्रभारी निलंबित: प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई है। हालांकि पूरे मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है। जानकारी के अनुसार, कई आपराधिक मामलों में जेल में बंद राहुल सिंह के एक रिश्तेदार ने डीआईजी कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के साथ व्हाट्सएप चैट, फोटो और अन्य डिजिटल साक्ष्य भी प्रस्तुत किए गए थे। आरोप लगाया गया कि थाना प्रभारी अपराधी के संपर्क में रहते थे और केस में राहत दिलाने के बदले आर्थिक लाभ और महंगे उपहार स्वीकार करते थे।

डीआईजी का बड़ा एक्शन: डीआईजी हरिकिशोर राय ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए प्रारंभिक जांच कराई। जांच के दौरान उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और अन्य दस्तावेजों की समीक्षा की गई। जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

अपराधी से सांठ-गांठ का आरोप: सूत्रों के मुताबिक अब मामले की गहन जांच की जा रही है। जांच टीम व्हाट्सएप चैट, कॉल डिटेल, डिजिटल रिकॉर्ड और संभावित वित्तीय लेन-देन की भी जांच करेगी। यदि आगे की जांच में और ठोस सबूत सामने आते हैं तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

पहले भी हुई है कार्रवाई: गौरतलब है कि हाल के दिनों में मोतिहारी पुलिस पहले से ही विवादों में रही है। तुरकौलिया थाना में कथित 35 लाख रुपये की रिश्वत और जब्ती मामले को लेकर भी थाना प्रभारी को निलंबित किया जा चुका है। उस प्रकरण की जांच आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) और पुलिस अधीक्षक की विशेष टीम कर रही है।

जांच पर टिकी सभी की निगाहें: एक तरफ जिला पुलिस अपराधियों, शराब माफिया और नशा तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर पुलिसकर्मियों पर लग रहे ऐसे गंभीर आरोप विभाग की साख पर सवाल खड़े कर रहे हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि चल रही जांच में और कौन-कौन से तथ्य सामने आते हैं और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कितनी सख्त कार्रवाई की जाती है।

नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम, सीआरपीएफ ने 4 किलो का आईईडी बरामद कर किया ध्वस्त

गया, एजेंसी। बिहार के गया में नक्सलियों की नापाक मंशा को सुरक्षा बलों ने विफल कर दिया है। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में नक्सलियों के ठिकाने से 4 किलोग्राम का शक्तिशाली आईईडी बरामद किया गया है। बरामद आईईडी को मौके पर ही सीआरपीएफ के बम निरोध दस्ते के द्वारा डिफ्यूज कर दिया गया।

नक्सलियों द्वारा विस्फोटक को प्लांट किया गया था। सुरक्षा बलों को इसकी सूचना मिली तो सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें सीआरपीएफ की 47वीं बटालियन डी कंपनी और पुलिस की टीम शामिल थी। सुरक्षा बलों की टीम ने उपकरणों से जांच की तो चिह्नित स्थान पर शक्तिशाली आईईडी मिला।

सुरक्षा बलों के बम निरोधक दस्ते के द्वारा बरामद आईईडी को मौके से डिफ्यूज किया गया तो तेज आवाज सुनी गई। आईईडी को काले पॉलिथीन में स्टील कंटेनर के भीतर में प्लांट किया गया था। माना जा रहा है कि नक्सलियों ने के द्वारा सुरक्षा बलों को बड़ी क्षति पहुंचाने की मंशा से इसे प्लांट किया गया था। डुमरी नाला जंगल से शक्तिशाली आईईडी की बरामदगी को सुरक्षा बलों की बड़ी उपलब्धि बताया जा रहा है।

वहीं, शक्तिशाली विस्फोटक मिलने के बाद उक्त इलाके में सुरक्षा बलों का ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। नक्सली गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। डुमरी नाला जंगल गया-औरंगाबाद के सीमावर्ती घनघोर जंगल वाले इलाके में है।

इमामगंज एसडीपीओ नीरज कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने इस संबंध में बताया कि सीआरपीएफ और पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में नक्सलियों द्वारा प्लांट किया गया 4 किलोग्राम का शक्तिशाली आईईडी बरामद हुआ है, जिसे डिफ्यूज कर दिया गया है।

'हाथ टूट जाएगा भैया।।' चिल्लाता रहा मोबाइल चोर,

यात्रियों ने चलती ट्रेन में 9 किलोमीटर तक खिड़की से लटकाया

खगड़िया, एजेंसी। जिले में शुक्रवार की रात जनहित एक्सप्रेस ट्रेन में हुई घटना ने यात्रियों और रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को हिला कर रख दिया। मानसी रेलवे स्टेशन से ट्रेन खुलते ही एक युवक ने खिड़की के पास बैठे यात्री का मोबाइल झपट लिया, लेकिन इस बार उसकी चालाकी काम नहीं आई। यात्री और आसपास बैठे लोगों ने फुर्ती दिखाते हुए उसका हाथ कसकर पकड़ लिया।

9 किलोमीटर तक हवा में लटका आरोपी: नतीजा यह हुआ कि आरोपी करीब 9 किलोमीटर तक चलती ट्रेन की खिड़की से बाहर हवा में लटका रहा और इसी हालत में खगड़िया स्टेशन तक पहुंच गया। इस दौरान यात्री मोबाइल चोरी के आरोपी को चांटे भी मारते रहे। आरोपी लगातार यात्रियों से छोड़ देने की गुहार लगाता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रेन की रफ्तार बढ़ने के बाद भी यात्रियों ने आरोपी का हाथ नहीं छोड़ा। उनका कहना था कि यदि हाथ छोड़ दिया जाता तो युवक नीचे गिरकर गंभीर हादसे का शिकार हो सकता था।

चलती ट्रेन में झपटमारी की कोशिश : इस खौफनाक और हैरान कर देने वाले वाकये का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में आरोपी डरा-सहमा खुद को बचाने की गुहार लगाता दिख रहा है। वायरल फुटेज में वह अपना नाम पहले छोटू यादव और बाद में पंकज यादव बताता दिख रहा है। साथी ही घर लखमिनिया बता रहा है। हालांकि, पुलिस जांच में यह पहचान पूरी तरह झूठी निकली।

आरोपी ने क्या कहा?

इस दौरान आरोपी वायरल वीडियो में कहता नजर आ रहा है कि हम चोरी नहीं कर रहे थे सर। हाथ टूट जाएगा भैया, धर कर चलिए। मैं लखमिनिया से हूं। हम ट्रेन में आदमी देख रहे थे, मोबाइल नहीं खींच रहे थे। ये सब काम हम नहीं करते हैं।खगड़िया स्टेशन पर ट्रेन रुकते ही रेलवे पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। जीआरपी थाना अध्यक्ष मोहम्मद अलादीन ने बताया कि आरोपी की पहचान बरकत मंसूरी, निवासी मुमताज मोहल्ला, नवगछिया के रूप में हुई है। बरकत मंसूरी पहले भी चोरी और झपटमारी की घटनाओं में शामिल रहा है।

यात्रियों की बहादुरी

इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यात्रियों की मुस्तैदी और साहस अपराधियों के लिए सबक बन सकती है। जिस तरह से लोगों ने आरोपी का हाथ पकड़े रखा और उसे गिरने से बचाया, वह न केवल साहस का परिचायक है बल्कि मानवीय संवेदनाओं का भी उदाहरण है।

सोशल मीडिया पर चर्चा

घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोग इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग यात्रियों की बहादुरी की तारीफ कर रहे हैं तो कुछ रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि यदि ट्रेन में पर्याप्त सुरक्षा होती तो ऐसी घटनाएं घटित ही नहीं होतीं।

पुलिस की कार्रवाई: रेलवे पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि बरकत मंसूरी का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। उसके खिलाफ पहले दर्ज मामलों की भी जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

नशीला पदार्थ देकर चाचा और चचेरे भाई ने किशोरी संग की हैवानियत

कानपुर, एजेंसी। हनुमंत विहार में रहने वाली किशोरी ने चाचा और अपने चचेरे भाई पर दुष्कर्म का आरोप लगा रिपोर्ट दर्ज कराई है। किशोरी ने पुलिस को बताया कि घटना फरवरी की है। तब वह चाचा के घर रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। किशोरी ने बीते दिनों राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष की सर्किट हाउस में हुई जनसुनवाई में शिकायत की थी जिसके बाद रिपोर्ट दर्ज की गई। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार किशोरी का परिवार साढ़ थाना क्षेत्र में रहता है जबकि वह हनुमंत विहार में चाचा के घर पर रहकर पढ़ाई कर रही थी। आरोप है कि फरवरी में उम्र में छोटे चचेरे भाई ने उसके साथ अश्लीलता की। उसने चाचा से शिकायत की तो उन्होंने बेटे का पक्ष लिया। आरोप है कि कुछ दिन बाद उसे नशीला पदार्थ देकर उनके साथ मनमानी की। परिवार से शिकायत की तो उन लोगों ने लोकलाज का डर दिखाकर बात दबा दी। इसके बाद महिला आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष की जनसुनवाई में शिकायत की। हनुमंत विहार थानाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्जकर आरोपों की जांच की जा रही है। सोमवार को किशोरी के मजिस्ट्रेटी बयान दर्ज कराए जाएंगे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर एम्स में परिवार नियोजन के लिए चला जागरूकता अभियान

गोरखपुर, एजेंसी। विश्व जनसंख्या दिवस पर एम्स के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की ओर से ओपीडी परिसर में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य परिवार नियोजन, स्वस्थ मातृत्व के प्रति लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति बघेल ने किया। शनिवार को कार्यक्रम में सीएमएफएम विभाग के डॉ. कोपरकर ने बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी चुनौतियों, परिवार नियोजन के महत्व तथा इसमें पुरुषों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों की सहभागिता भी बेहद जरूरी है। इस अवसर पर विभाग के इंटर्न्स एवं रेजिडेंट डॉक्टरों ने विशेष परामर्श केंद्र के माध्यम से मरीजों और उनके परिजनों को परिवार नियोजन, जन्म अंतराल (स्पेसिंग) तथा उपलब्ध निशुल्क गर्भनिरोधक साधनों की जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के सभी संकाय सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और प्रजनन स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन से जुड़े सवालों का जवाब दिया।

रेल यात्रियों के मोबाइल चोरी करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

गोरखपुर, एजेंसी। रेल यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के तीन शातिर बदमाशों को आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने गोरखपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के सात एंड्रॉयड मोबाइल बरामद हुए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपये बताई गई है। एसपी रेलवे लक्ष्मी निवास मिश्र ने बताया कि चेकिंग अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म नंबर एक स्थित यात्री हॉल के पास तीन संदिग्ध युवक दिखाई दिए। पुलिस टीम को देखकर तीनों भागने लगे। उन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महराजगंज के फरेंदा निवासी अरविंद यादव, तमकुंअहवा निवासी राजू साहनी व बिहार के पश्चिम चंपारण निवासी इसराइल गद्दी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अलग-अलग ट्रेनों, प्लेटफॉर्म और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के मोबाइल चोरी करते थे। चोरी के मोबाइल राहगीरों को बेचकर उससे मिले पैसों से अपने शौक पूरे करते थे। पुलिस जांच में बरामद कई मोबाइल पहले से जीआरपी गोरखपुर में दर्ज चोरी के मामलों से संबंधित पाए गए। इसके बाद संबंधित मुकदमों में बरामदगी और आपराधिक षड़यंत्र की धाराओं की बढ़ोतरी की गई। आरोपियों को दोपहर बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

दंपती में हुआ विवाद, पत्नी ने लगाई फांसी

कानपुर, एजेंसी। मजदूरी करके घर वापस आए व्यक्ति की जेब से पत्नी ने रुपये निकाल लिए। इस पर दोनों का विवाद हो गया। इसके बाद पत्नी ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों ने पति पर हत्या करने का आरोप लगाया। कालिंजर थाना क्षेत्र के मसौनी रक्सी गांव निवासी श्यामबाबू कोरी ने बताया कि उसकी पत्नी सुमन (20) ने शुक्रवार की देर शाम करीब छह बजे घर के अंदर दरवाजा बंद कर बांस में साड़ी से फंदा लगा लिया। जब वह काफी देर तक बाहर नहीं आई तो भाभी अंजलि ने श्यामबाबू को जानकारी दी। इसके बाद पीछे का दरवाजा तोड़कर देखा तो वह फंदे से लटकी थी। पति ने बताया कि वह दोपहर में खाना खाने आया तो पत्नी सुमन ने उसकी जेब से 200 रुपये निकाल लिए। उसने 20 रुपये गुटखा खाने के लिए मांगे तो पत्नी ने कहा कि जिनके यहां मजदूरी कर रहे हो, उन्हीं से लेकर खाना। इस पर दोनों के बीच आपसी कहासुनी हो गई। वह अपने भाई के यहां चला गया। उधर, जरोहरा गांव निवासी मृतका के भाई मनोज ने बताया कि पति शराब का लती है। शराब पीने के लिए 200 रुपये मांग रहा था। न देने पर बहन की पीटकर हत्या के बाद शव को फंदे से लटका दिया।

नकली और सरकारी दवाओं की तस्करी पकड़ी

58 फर्मों के लाइसेंस निरस्त

आगरा , एजेंसी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने नकली और सरकारी दवाओं की तस्करी के अंतरराज्यीय रैकेट का खुलासा किया है। आगरा में तीसरे चरण में 13 मेडिकल फर्मों पर छापा मारकर जांच की और दो को सील कर दिया। दो फर्मों से दवाओं की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी है। शनिवार को 13 मेडिकल फर्मों के 14 संचालकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए थाने में तीन तहरीरें दी हैं। साथ ही तीन चरणों में हुई कार्रवाई के बाद गड़बड़ी मिलने पर थोक की 58 मेडिकल फर्मों के लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं।

एफएसडीए आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने 15 औषधि निरीक्षकों की टीम के साथ कम्मूटोला, मुबारक महल, जूता बाजार, नवाबिया मार्केट समेत 10 बाजारों में स्थित 13 फर्मों और उनके गोदामों पर शुक्रवार को एक साथ छापा मारा। इसमें कम्मूटोला में मोहन ट्रेडर्स, प्रशांत मेडिकल, वंश फार्मा, डॉली ड्रग हाउस, नूर फार्मा, इनाया फार्मा हैं। मुबारक महल में मनी मेडिकल एजेंसी, एपी फार्मा, एचएमजी ड्रग हाउस, नीलकंठ मेडिको कृष्णा कॉम्प्लेक्स में, पोरवाल मेडिकेयर शू मार्केट में, मनु फार्मा कोतवाली के सामने और आरडीएम फार्मास्युटिकल्स नवाबिया मार्केट में है।

इनमें से मोहन ट्रेडर्स कम्मूटोला और मनी मेडिकल को सील कर दिया है। नीलकंठ मेडिको और मनु फार्मा पर दवाओं की खरीद-बिक्री पर रोक लगाई है। छापे में 35 संदिग्ध दवाएं मिली हैं। जांच के लिए इनके नमूने लिए गए हैं। नकली ड्रग सिंडिकेट में शामिल फर्मों के 14 संचालकों के खिलाफ थाना कोतवाली में तीन तहरीरें दी गई हैं। आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि नकली-सरकारी दवाओं की तस्करी का अंतरराज्यीय रैकेट सामने आया है। आगरा से हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली व उत्तराखंड में नकली-सरकारी दवाओं की तस्करी के सुबूत मिले हैं। प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए तहरीर दे दी गई है। अभी मामले की जांच चल रही है।

एफएसडीए की टीमें इससे पहले आगरा में दो चरणों में छापा मारकर 3.72 करोड़ रुपये की दवाएं सीज कर चुकी हैं। चार गोदाम सील हैं। 51 मेडिकल एजेंसी पर छापा मारकर 125 दवाओं के नमूने जांच को भेजे जा चुके हैं। मई में ज्योति ड्रग हाउस के अवैध गोदामों से 2.50 करोड़ रुपये की इंसुलिन, वैक्सीन और सैन्य-ईएसआई अस्पताल की दवाएं बरामद हुई थीं। श्री मेडिकल एजेंसीज से 50 लाख की नकली ऑक्सलगिन डीपी जब्त हुई थी। इसका अंतरराज्यीय नेटवर्क सामने आया था। रुड़की (उत्तराखंड) की लेरोई फार्मास्यूटिकल्स पर छापा मारकर नकली पैकेजिंग सामग्री जब्त की गई थी। जून में ब्राइट फार्मा संचालक के आवास पर 5.20 लाख रुपये की जीवनरक्षक और सरकारी दवाओं पर अवैध री-लेबलिंग पकड़ी थी। सीएफ इंटरप्राइजेज, सुमित माधवानी, सुमित गुप्ता के अवैध गोदामों से 67 लाख रुपये की अवैध दवाएं और फिजिशियन सैंपल्स जब्त किए थे। पूरे सिंडिकेट के खिलाफ अब तक छह प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी हैं। तीसरे चरण की कार्रवाई के बाद तीन प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई है। सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने बताया कि नकली और अधोमानक दवाएं मर्ज पर असर नहीं करती हैं। इससे बीमारी और गंभीर हो जाती है। साथ ही मरीजों की जान का खतरा रहता है। कई एंटीबायोटिक दवाएं गंभीर रोगों के उपचार में उपयोग होती हैं। ऐसे में मरीज का इलाज प्रभावित होता है। नकली और घटिया दवाओं की शिकायत 18001805533 पर कर सकते हैं।

साउथैम्पटन से आया संदेश, अब आगरा को भी ट्रैफिक पर करना होगा क्लीन बोल्ड

आगरा , एजेंसी। क्रिकेट मैच में अब तक मौसम बाधा डालता ही रहा है। पर, शनिवार को साउथैम्पटन में भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवें टी-20 मुकाबले का सबसे सड़क का जाम बाधा बन गया। भारतीय टीम की बस जाम में फंस गई, खिलाड़ी समय पर स्टेडियम वक्त से नहीं पहुंच सके और मुकाबले की शुरुआत निर्धारित समय से देर से हुई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेहद दुर्लभ इस घटना ने दुनियाभर के खेल आयोजकों का ध्यान ट्रैफिक प्रबंधन की ओर खींचा है।

ताजनगरी आगरा के लिए भी यह किसी चेतावनी से कम नहीं है, क्योंकि शहर में क्रिकेट समेत कई खेलों की गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं और 24 जुलाई को उत्तर प्रदेश प्रीमियर लीग (यूपीपीएल) का महत्वपूर्ण आयोजन भी प्रस्तावित है। आगरा में भगवान टॉकीज, सिकंदरा, गुरु का ताल, एमजी रोड, रामबाग आदि मार्गों पर लगने वाला जाम किसी से छिपा नहीं है। कई बार जिलास्तरीय क्रिकेट, फुटबाल और अन्य प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों, अंपायरों और अधिकारियों को समय से पहले निकलना पड़ता है, फिर भी मैदान तक पहुंचने में देरी हो जाती है। बड़े आयोजनों के दौरान यह चुनौती और बढ़ जाती है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट भी ट्रैफिक की मार झेल सकता है तो आगरा को भविष्य की मेजबानी के लिए अभी से तैयारी करनी होगी। केवल आधुनिक मैदान और बेहतर सुविधाएं ही काफी नहीं होंगी, बल्कि खिलाड़ियों और टीमों के लिए निर्बाध यातायात व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी होगी।

पूर्व क्रिकेट पराग गौतम ने कहा कि साउथैम्पटन की घटना केवल क्रिकेट की खबर नहीं, बल्कि हर उस शहर के लिए चेतावनी है जहां खेल गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। आगरा में बड़े टूर्नामेंटों के लिए पहले से ट्रैफिक प्लान तैयार होना चाहिए, ताकि खिलाड़ी और अधिकारी बिना किसी बाधा के समय पर मैदान पहुंच सकें।

70 मीटर स्लैब तोड़कर भूमिगत नाले में उतरी नगर निगम की टीमें

आगरा , एजेंसी। आगरा। सुभाष मार्केट हादसे के दौरान नाले में गिरी महिला गंगा देवी की तलाश शनिवार को तीसरे दिन भी युद्ध स्तर पर जारी रही। नगर निगम ने महिला की खोज के लिए अपने प्रयासों को और तेज करते हुए करीब 100 कर्मचारियों और अधिकारियों की टीम को दिन-रात सर्च ऑपरेशन में लगा रखा है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन को गति देने के लिए अंबेडकर पार्क क्षेत्र में करीब 70 मीटर लंबे भूमिगत नाले के एक हिस्से का स्लैब तोड़कर प्रवेश मार्ग बनाया गया, जिसके सहारे नगर निगम के कर्मचारी और विशेषज्ञों की टीम नाले के भीतर तक पहुंचकर सघन तलाशी अभियान चला रही है।

साथ ही आगरा किला क्षेत्र स्थित शाहजहां गार्डन के पास नाले के भीतर चेन मशीन उतारकर मलबे और अवरोधों को हटाने का काम किया गया ताकि संभावित स्थानों पर गहराई से खोजबीन की जा सके। शुक्रवार देर रात वबाग के विशेषज्ञ कर्मचारियों ने भी इस अभियान में कमान संभाली। अधिकारियों के अनुसार, आठ इंच के पाइप के माध्यम से नाले के आर-पार रस्से पहुंचाए गए हैं, जिससे भीतर काम कर रही टीमों को सुरक्षित तरीके से आगे बढ़ने में मदद मिल रही है।

ऑपरेशन की कमान संभालते हुए अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार, सहायक नगर आयुक्त अशोक प्रिय गौतम सहित कई अधिकारी और अभियंता मौके पर डटे रहे। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने कहा कि गंगा देवी की तलाश तक यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

भाजपाई दिग्गजों की चाय पर चर्चा ने बढ़ाई सियासी गर्माहट

अलीगढ़ , एजेंसी। खेमों में बिखरी जिले की भाजपा में शुक्रवार को हुए चाय पर चर्चा ने सियासी गर्माहट बढ़ा दी है। यह चर्चा दो सियासी दिग्गजों एटा के पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू व अतरौली के वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश भारद्वाज के बीच हुई।दोनों के बीच राजनीतिक मतभेद किसी से छिपे नहीं लेकिन इस मुलाकात ने सियासी चर्चाओं को जन्म दे दिया है। पार्टी के खेमों और विपक्षी नेताओं में भी इसके सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। जब कल्याण सिंह ने जन क्रांति पार्टी बनाई तो उनकी पुत्रवधू यानी राजवीर की पत्नी प्रेमलता ने उनकी परंपरागत सीट अतरौली से 2012 में विधानसभा चुनाव लड़ा।

उस चुनाव में भाजपा से राजेश चुनाव मैदान में थे। प्रेमलता सपा के वीरेश यादव से चुनाव हारीं और इसकी वजह राजेश को माना गया। कल्याण सिंह व उनका परिवार 2014 से पहले फिर भाजपाई हो गया लेकिन राजेश की इस परिवार से दूरी बनी रही। खुद राजेश ने 2014 में अलीगढ़ लोकसभा और 2017 में कोल विधानसभा से टिकट मांगा। कल्याण परिवार का समर्थन अन्य दावेदारों को होने के कारण उन्हें दोनों बार टिकट नहीं मिला।

राजेश ने 2021 के जिला पंचायत चुनाव में अपनी पुत्रवधू को अतरौली ब्लॉक से भाजपा समर्थित प्रत्याशी के रूप में सदस्य का चुनाव लड़ाया। तब भाजपा से बागी हुए मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र लोधी ने उन्हें हराया। इस हार का कारण भी कल्याण परिवार का समर्थन न होना माना गया।

इसी बीच शुक्रवार शाम राजेश ने राजवीर के मैरिस रोड स्थित होटल में पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ अतरौली के ब्राह्मण नेता चुनमुन शर्मा व सत्यदेव उपाध्याय रहे। इस मुलाकात पर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

इसे भविष्य की राजनीति, जिले के भाजपाई खेमों में चल रही उठापटक और विधानसभा 2027 की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। इस संबंध में राजेश कहा कि हम भाजपा परिवार के सदस्य हैं। उसी क्रम में सामान्य औपचारिक मुलाकात व चाय पर चर्चा हुई जिसमें पारिवारिक बातें हुई हैं। इसके मायने न निकाले जाएं।

मुलाकात के ये निकाले जा रहे मायने

बेशक राजेश भारद्वाज ने इसे सिर्फ औपचारिक पारिवारिक मुलाकात करार दिया है लेकिन सियासी रणनीतिकार इसके जो मायने निकाल रहे हैं, उसके अनुसार आने वाले चुनाव में अतरौली में कल्याण परिवार के प्रति ब्राह्मणों की एकजुटता का संदेश छिपा है।

बाथरूम के दरवाजे में छेद से बनाता था वीडियो-फोटो, पीडोफीलिया का शिकार हो सकता है आरोपी

चमनगंज पुलिस का कहना है कि फिलहाल कोई और शिकायत नहीं मिली है।

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में परिवार की बच्चियों और युवतियों के अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें गूगल में सेव करने के आरोपी चमनगंज निवासी युवक ने पुलिस को बताया कि उसने बाथरूम के दरवाजे में छेद कर रखा था। जब भी कोई बच्ची या युवती भीतर जाती, तो उसी छेद पर मोबाइल लगाकर वह उनके अश्लील वीडियो बना लेता। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह घर आने वाली महिला रिश्तेदारों के भी वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल कर चुका है। पुलिस को आरोपी का एक और मोबाइल मिला है। फिलहाल, दोनों मोबाइल फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। बता दें कि शुक्रवार को सेंट्रल जोन की पुलिस ने चमनगंज निवासी युवक को पकड़ा था।

गूगल पर सेव किए थे अश्लील वीडियो : उसने 15 से 20 अश्लील वीडियो गूगल पर सेव किए थे। कुछ दिन पहले ही घरवालों की नजर बाथरूम के दरवाजे पर बने छेद पर पड़ी तो उन्होंने दरवाजा ही बदलवा दिया था। इसके बाद भी अक्सर आरोपी रात में अपना मोबाइल बाथरूम में छिपाकर वीडियो बना रहा था।

पुलिस की किरकिरी, आरोपी को जमानत : पुलिस की जल्दबाजी एक बार फिर उसके लिए ही किरकिरी का सबब बन गई। चमनगंज निवासी युवक के खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धारा 75 और 77 के अलावा पॉक्सो एक्ट की धारा 7-8 में मामला दर्ज किया था। शनिवार को जब आरोपी को कोर्ट में प्रस्तुत किया तो सभी धाराएं जमानती पाई गईं।

साक्ष्य जुटाकर धाराओं में बढ़ोतरी की जाएगी : इस पर कोर्ट से उसे जमानत मिल गई। पुलिस का कहना है कि आरोपी के परिजन भी उसके खिलाफ कुछ नहीं बोल रहे हैं। थाना प्रभारी रिकेश सिंह का कहना है कि मामले की विवेचना के दौरान साक्ष्य जुटाकर धाराओं में बढ़ोतरी की जाएगी।

पीडोफीलिया का शिकार हो सकता आरोपी : हैलट अस्पताल के मानसिक रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय चौधरी ने बताया कि युवक पीडोफीलिया (मानसिक और यौन विकृति) बीमारी का शिकार लग रहा है। इसमें अक्सर व्यक्ति का असमान्य रुझान सामान्य रूप से सामने नहीं आता है।

अलग-अलग तरह की विकृतियां देखने को मिली : अधिकतर मामलों में किसी अपराध या घटना के बाद ही ऐसे रोगियों का पता चलता है। इसमें अलग-अलग लोगों में अलग-अलग तरह की विकृतियां देखने को मिली हैं। किसी को लड़कियों के कपड़े पहनने का तो किसी को उनके साथ मारपीट करने अथवा अश्लील वीडियो बनाने का जुनून सा होता है। मुख्य रूप से इनका आकर्षण बच्चों के प्रति अधिक होता है।

हरियाली तीज से पहले मेहंदी लगाना सीख रहीं महिलाएं

अलीगढ़ , एजेंसी। हरियाली तीज महोत्सव की तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। रावण टीला व अन्य मेहंदी प्रशिक्षण केंद्रों पर महिलाओं और युवतियों की भीड़ देखी जा रही है। वे आकर्षक और आधुनिक मेहंदी डिजाइनों का प्रशिक्षण ले रही हैं।

इसका उद्देश्य त्योहार के दौरान अपनी कला का प्रदर्शन करने के साथ आय अर्जित करना है। संचालिका भावना ने बताया कि हरियाली तीज, रक्षाबंधन और शादी-विवाह के सीजन में मेहंदी कलाकारों की मांग बढ़ जाती है। बड़ी संख्या में महिलाएं और छात्राएं स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं।

प्रशिक्षण केंद्रों पर अरेबिक, ब्राइडल, इंडो-अरेबिक, मंडला और ट्रेडिशनल डिजाइनों का अभ्यास कराया जा रहा है। घनश्यामपुरी संचालिका शशि शर्मा ने बताया कि 15 अगस्त को हरियाली तीज है। प्रशिक्षण लेने वाली महिलाओं की संख्या हर वर्ष बढ़ रही है। यह हुनर कम लागत में बेहतर रोजगार का माध्यम बन रहा है।

21 साल में हुई थीं पांच चोरियां, 1983 की घटना सबसे चर्चित; दस्तावेजों में दर्ज है इतिहास

वाराणसी , एजेंसी। अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी के विवाद के बीच ही काशी विश्वनाथ मंदिर में पुरानी चोरियों की चर्चा होने लगी है। मंदिर न्यास के एक्ट में 1962 से 1983 के बीच यानी 21 साल में पांच बड़ी चोरियों का जिक्र है लेकिन इनमें से 4 जनवरी 1983 को हुई चोरी का मामला ही पुलिस तक पहुंचा था। इसमें 16 लाख रुपये के आभूषण चोरी किए जाने का ब्योरा दिया गया था। चार चोरियों का मामला रफा-दफा कर दिया गया था। चोरियों और अव्यवस्था की वजह से ही मंदिर की आर्थिक हालत खराब हो गई थी। नतीजा रहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को पत्र लिखकर स्वर्ण जड़ित अरघे के लिए छह लाख रुपये का ऋण लेना पड़ा था।

देशभर के श्रद्धालुओं को झकझोर दी थी ये घटना : चार जनवरी 1983 की रात श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में चोरी ने देशभर के श्रद्धालुओं को झकझोर कर रख दिया था। चोर शिवलिंग के स्वर्ण जड़ित अरघे को काट ले गए थे। पूजा में इस्तेमाल होने वाले बर्तन भी साथ ले गए थे। यह मंदिर में पांचवीं सबसे बड़ी चोरी थी। तत्कालीन सरकार की चिंता महज चोरी के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं थी बल्कि बाबा विश्वनाथ के स्वर्ण जड़ित अरघे को दोबारा उसी रूप में स्थापित करने की थी।

स्वर्ण जड़ित अरघे के लिए लेना पड़ा था छह लाख रुपये का ऋण : एक फरवरी 1983 को वाराणसी के तत्कालीन मंडलायुक्त शैवाल मुखर्जी ने यूपी के मुख्य सचिव को पत्र लिखा था। मंडलायुक्त ने कहा था कि श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के स्वर्ण जड़ित अरघे को शिवरात्रि से पहले बनवाना जरूरी है। श्रद्धालुओं में गुस्सा है। श्रद्धालुओं का विश्वास जीतने के लिए अरघे को स्वर्ण जड़ित कराना ही होगा। इसके लिए छह लाख रुपये की जरूरत है। उन्होंने आरबीआई को पत्र लिखने और ऋण लेने का सुझाव भी दिया था। इस पर तत्कालीन मुख्य सचिव ने मामले को आगे बढ़ाया। पांच जनवरी से पुलिस की जांच तेज हो गई थी। वाराणसी के साथ ही आसपास के जिलों और दूसरे राज्यों में दबिश दी गई थी। मंदिर के कर्मचारियों और पुजारियों से पूछताछ की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था की जांच हुई थी, लेकिन चोरी का खुलासा नहीं हो सका था। इसी तरह 1962, 1969, 1976 और 1982 में हुई चोरियों का जिक्र तो है लेकिन कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। चोरियां हुई थीं, बस इतनी ही जानकारी न्यास के एक्ट में दी गई है।

चोरी के 21 दिन बाद मंदिर का अधिग्रहण, न्यास परिषद के अध्यक्ष बनाए गए काशी नरेश : 4 जनवरी 1983 में हुई चोरी के 21 दिन बाद यानी 25 जनवरी को ही तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लिया था। सरकार ने अध्यादेश जारी कर काशी विश्वनाथ मंदिर का अधिग्रहण कर लिया था। साथ ही मंदिर के संचालन की नई व्यवस्था लागू कर दी थी। तीन स्तरीय प्रबंधन का प्रावधान किया गया था। इनमें एक न्यासी परिषद, एक कार्यकारिणी समिति और एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी का प्रावधान शामिल था। पहला न्यास अध्यक्ष काशी नरेश विभूति नारायण सिंह का बनाया गया था। शृंगेरी के शंकराचार्य, सांस्कृतिक, वित्त, समाज कल्याण विभाग, न्यायिक विभाग के सचिव, सांस्कृतिक कार्य निदेशक, डीएम, मंडलायुक्त, संपूर्णानंद संस्कृत विवि के कुलपति को सदस्य बनाया गया था।

1983 में तो चोरी हुई ही थी। 70 के दशक में भी चोरी हुई थी। पुलिस पड़ताल में कोई एक व्यक्ति पकड़ा भी गया था। इस तरह की घटनाएं सार्वजनिक स्थानों पर न हों इसके लिए सरकारी तंत्र काम करता है। करना भी चाहिए इसीलिए काशी विश्वनाथ में 1983 में जब बड़ी चोरी हुई तो प्राथमिकी दर्ज की गई। संतों और जनता की नाराजगी बढ़ी तो सरकार ने मंदिर के अधिग्रहण की घोषणा कर दी। बाकी काम, क्रोध, लोभ और मोह तो इंसानी प्रवृत्ति है चाहे वह सामान्य आदमी हो या किसी बड़े पद पर बैठा कोई भी विशिष्ट व्यक्ति इसीलिए निगरानी तंत्र को हमेशा सक्रिय रहना चाहिए।

एक जुलाई से शुरू हो चुके हैं आवेदन

बैंकिंग में एआई और क्वांटम टेक्नोलॉजी को बढ़ावा, आईआईटी दिल्ली-नेटवेस्ट ने शुरू किया प्रोग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाले वर्षों में बैंकिंग की तस्वीर केवल मोबाइल ऐप, एटीएम या आनलाइन लेनदेन से नहीं बदलेगी, बल्कि इसकी नई दिशा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और स्टार्टअप आधारित नवाचार तय करेंगे।

इसी सोच को साकार करने के लिए नेटकवेस्ट ग्रुप और आइआइटी दिल्ली के फाउंडेशन फार इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी ट्रांसफर (फिट) ने नेटकवेस्ट फिनटेक फ्रंटियर प्रोग्राम (एनएफएफपी) की शुरुआत की है।

इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालयों में हो रहे शोध को सीधे बैंकिंग उद्योग की जरूरतों से जोड़ते हुए प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंचाना है।

भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत होगा तकनीकी सहयोग- शनिवार को आइआइटी दिल्ली में अनावरण किए गए इस कार्यक्रम के तहत संस्थान के शोधकर्ता, फैकल्टी और स्टार्टअप्स नेटकवेस्ट ग्रुप की वास्तविक बैंकिंग चुनौतियों पर काम करेंगे। एआइ, डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा, डिजिटल ट्रस्ट और क्वांटम तकनीक जैसे क्षेत्रों में ऐसे समाधान विकसित किए जाएंगे, जिन्हें सीधे बैंकिंग सेवाओं में लागू किया जा सके। कार्यक्रम भारत और ब्रिटेन के बीच तकनीकी सहयोग को भी नई मजबूती देगा। कार्यक्रम दो प्रमुख ट्रैक में संचालित होगा। रिसर्च ट्रांसलेशन ट्रैक के तहत आइआइटी दिल्ली के शोध समूह बैंकिंग क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं और डेटा पर शोध करेंगे। वहीं स्टार्टअप इनोवेशन ट्रैक के माध्यम से टेक्नोलाजी रेडीनेस लेवल (टीआरएल) 8 वाले स्टार्टअप्स को अपने उत्पादों का परीक्षण, पायलट प्रोजेक्ट और व्यावसायिक विस्तार का अवसर मिलेगा। सफल नवाचारों को पेटेंट के साथ ब्रिटेन के बैंकिंग बाजार तक पहुंचाने में भी सहयोग दिया जाएगा। नेटकवेस्ट ग्रुप की कंट्री हेड (भारत) और सीओओ रुचिका पनेसर ने

कहा कि भविष्य की बैंकिंग मजबूत इनोवेशन इकोसिस्टम पर आधारित होगी, जहां उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षण संस्थान मिलकर वास्तविक समस्याओं के समाधान तैयार करेंगे। वहीं आइआइटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि यह साझेदारी संस्थान की शोध क्षमता को वैश्विक बैंकिंग उद्योग की जरूरतों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। इससे भारतीय स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी तकनीक प्रदर्शित करने और वैश्विक बाजार तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा।

यमुना सफाई में जनता की होगी भागीदारी, दिल्ली में डीडीए शुरू करेगा 'यमुना संवाद'

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना की सफाई में आम नागरिकों को भागीदार बनाने पर बल दिया जा रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में दिल्ली विकास प्राधिकरण यमुना संवाद कार्यक्रम के माध्यम से दिल्लीवासियों और विशेषज्ञों का सुझाव लेगा। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। यमुना संवाद शुरू करने से पहले कार्यशाला आयोजित की जा रही है।

इस वर्ष सितंबर और अगले वर्ष जनवरी में यमुना संवाद के अंतर्गत महत्वपूर्ण कार्यक्रम होंगे, जिसमें व्यापक विचार-विमर्श कर रोडमैप को अंतिम रूप दिया जाएगा। वहीं, इसकी तैयारी के लिए कार्यशाला आयोजित की जा रही है। पहली कार्यशाला में सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधि, पर्यावरण विशेषज्ञ, विज्ञानिक, शहरी नियोजक, लैंडस्केप आर्किटेक्ट, तकनीकी संस्थानों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने बाढ़ के मैदान के अनुकूल योजना और घाटों के विकास पर चर्चा की। इस तरह के आधारभूत ढांचा के निर्माण पर बल दिया गया जो प्राकृतिक बाढ़ चक्र से

तालमेल बिठा सकें। साथ ही पर्यावरण के अनुकूल घाट निर्माण पर बल दिया। जल्द ही प्रकृति-आधारित समाधान, जल गुणवत्ता और जल निकासी, वित्तपोषण माडल और शासन जैसे विषयों पर दो और हितधारक कार्यशालाएं आयोजित होंगी। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू यमुना बाढ़ क्षेत्रों का दौरा करने के बाद डीडीए अधिकारियों के साथ बैठक कर दिल्ली के निवासियों को विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के साथ नदी के कायाकल्प में सक्रिय रूप से भागीदार बनाने का निर्देश दिया था। उपराज्यपाल का कहना है कि नदी के बाढ़ क्षेत्र आम लोगों के लिए सुलभ हैं। उनकी मदद से ही इसका जीर्णोद्धार एवं प्रभावी रखरखाव हो सकता है।

दिल्ली में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में रोहिणी जिला स्पेशल स्टाफ टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो आजमगढ़ और एक दिल्ली का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए तीनों शूटर दिल्ली में एक बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में जुटे थे और टारगेट किलिंग की साजिश रच रहे थे। लेकिन इसी दौरान रोहिणी जिला पुलिस को उनके मूवमेंट के बारे में जानकारी मिली और उन्हें दबोच लिया गया। पुलिस का दावा है, इन शूटरों की गतिविधियों के बारे में खुफिया सूचना मिली थी और इसके बाद स्पेशल स्टाफ ने उन्हें ट्रैक करना शुरू कर दिया। फिर बाद में निगरानी और तकनीकी जांच के आधार पर तीनों को दबोच लिया गया। पुलिस ने बताया कि इन शूटर्स को विदेश में बैठे नेटवर्क के जरिए जानकारी मिल रही थी।

दिल्ली में फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से 16.50 लाख की लूट, पिस्तौल दिखाकर छीना नकदी से भरा बैग

लूट के विरोध पर तानी पिस्तौल, सीसीटीवी फुटेज हो रही प्रसारित

नईदिल्ली, एजेंसी। गांधी नगर थानाक्षेत्र की राजगढ़ कालोनी में शुक्रवार शाम स्कूटी सवार दो बदमाशों ने पिस्तौल के बल पर फाइनेंस कंपनी कर्मचारी से 16.50 लाख रुपये की लूट को अंजाम दे दिया। बदमाश कंपनी आफिस के गेट पर ही नकदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए।

सूचना मिलने पर गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। वारदात की सीसीटीवी फुटेज प्रसारित हो रही है जिसमें बदमाश स्कूटी से आते और पिस्तौल तानकर लूट करते दिखाई दे रहे हैं।

संदीप दुआ राजगढ़ में एसडी एंटरप्राइजेज के नाम से फाइनेंस कंपनी चलाते हैं। उनका कर्मचारी आशीष सरीन विभिन्न स्थानों से कलेक्शन कर शुक्रवार शाम को कंपनी आफिस पहुंचा था।

वह बाइक से उतरा ही था कि पीछे से एक स्कूटी पर दो बदमाश आए और उसका बैग लूटने का प्रयास करने लगे। उसने विरोध किया तो हेलमेट लगाए लुटेरे ने पिस्तौल आशीष पर तान दी। घबराकर आशीष ने बैग छोड़ दिया।

इसके बाद बदमाश स्कूटी पर बैठकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर आरोपितों की पहचान का प्रयास शुरू कर दिया है। डीसीपी शाहदरा आरपी मीणा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर लुटेरों की तलाश की जा रही है। वारदात में किसी जानकार का हाथ हो सकता है। इसके अलावा बदमाशों ने आशीष की रेकी की थी या नहीं यह भी देखा जा रहा है। जल्द ही आरोपितों को पकड़ लिया जाएगा। घटना की सीसीटीवी फुटेज भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि शाम चार बजकर नौ मिनट पर जैसे ही आशीष अपने आफिस पहुंचे पीछे से लाल स्कूटी पर आए बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर लूट को अंजाम दिया। एक बदमाश ने हेलमेट पहना था जबकि दूसरा बिना हेलमेट था। पुलिस अन्य सीसीटीवी फुटेज की मदद से स्कूटी का नंबर जानने व बदमाशों की पहचान में जुटी है।

दिल्ली के ऐतिहासिक स्मारकों की सुरक्षा पर एएसआई का फोकस, बारिश में हादसे रोकने के लिए कड़े इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसून के मौसम को देखते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने दिल्ली मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी 174 संरक्षित स्मारकों के रखरखाव और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश जारी किए हैं।

दिल्ली मंडल ने सभी स्मारकों के प्रभारियों को मानसून के दौरान नियमित निरीक्षण, जलभराव रोकने, साफ-सफाई और संरचनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। इसका उद्देश्य वर्षा के कारण ऐतिहासिक धरोहरों को होने वाले नुकसान को रोकना और पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पर्यटकों की आवाजाही नियंत्रित करने के निर्देश

एएसआई ने विशेष रूप से उन स्मारकों या उनके हिस्सों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा है, जो जर्जर स्थिति में हैं। ऐसे स्थानों पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती करने और पर्यटकों की आवाजाही नियंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों को कहा गया है कि किसी भी खतरे की स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। साथ ही वर्षा के दौरान नियमित निगरानी और मरम्मत संबंधी आवश्यक कार्यों की रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी।

एएसआई के अनुसार दिल्ली में जिन स्मारकों या उनके हिस्सों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी, उनमें प्रमुख रूप से शामिल कोटला फिरोजशाह का शाही महल वाला भाग, बेगमपुरी मस्जिद, महरौली स्थित बहादुर शाह का जफर महल, पुराना किला के मुख्य द्वार की ऊपरी मंजिल के आसपास का जर्जर हिस्सा आदि शामिल हैं। इन स्थानों पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के साथ पर्यटकों को जोखिम वाले क्षेत्रों से दूर रखने की व्यवस्था की गई है।

18 गलियां जलमग्न, 300 से ज्यादा घरों में घुसा पानी; किराड़ी के सूरत विहार में बाढ़ जैसे हालात

नईदिल्ली, एजेंसी। किराड़ी की शर्मा कालोनी के बाद अब सूरत विहार कालोनी में जलभराव ने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। कालोनी की 23 गलियों में से 18 गलियां जलमग्न हैं, इन गलियों में लगभग 700 मकानों में से 300 से अधिक घरों में एक से तीन फीट तक पानी भरा हुआ है। घर में पानी घुसने के कारण 30-40 परिवार पलायन कर अन्य क्षेत्रों में चले गए। मंगलवार को हुई वर्षा के बाद सूरत विहार पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है। कालोनी की मुख्य सड़कों से लेकर गलियों व घरों तक पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। पांच दिनों से कालोनीवासियों का रहना मुश्किल हो चुका है। जलभराव के कारण कालोनी में प्रवेश व निकास के सभी रास्ते बंद हो चुके हैं। स्कूल न जा पाने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

कालोनी नीचे होने के कारण ठप पड़ी जलनिकासी

मुबारकपुर रोड के निर्माण के बाद कालोनी का लेवल लगभग एक फीट से अधिक नीचे होने के कारण जलनिकासी ठप पड़ चुकी है। दूसरी ओर कालोनी के साथ खाली मैदान घरों का पानी निकल जाया करता था। लेकिन डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) के खाली जमीन पर लैंडफिल साइट के कचरे से भराव के दिया गया। ऐसे में कालोनी का पानी निकलने का कोई रास्ता नहीं है। कालोनी की अधिकतर गलियों में पानी भरा है और 50 प्रतिशत घरों में पानी भर गया है। जलनिकासी का कोई साधन नहीं है। गंदे पानी की वजह चर्मरोग फैल रहा है। कालोनी में रहने वाले नारकीय जीवन जी रहे है।

जापान में शक्तिशाली तूफान बावी ने मचाई भारी तबाही, अब ताइवान और चीन पर मंडराया खतरा

टोक्यो, एजेंसी। पूर्वी एशिया में शक्तिशाली तूफान बावी ने भारी तबाही मचाई है। शनिवार को इस तूफान ने जापान के दक्षिणी साकिशिमा द्वीप समूह और ओकिनावा प्रांत को अपनी चपेट में लिया। अब यह तेजी से ताइवान की ओर बढ़ रहा है, जबकि इसके बाद चीन के झेजियांग प्रांत के वेनझोउ के पास लैंडफॉल करने की संभावना जताई गई है।पूर्वी चीन की ओर बढ़ रहे बावी को देखते हुए चीनी सरकार ने बड़े पैमाने पर एहतियाती कदम उठाए हैं। अधिकारियों ने रविवार तड़के संभावित लैंडफॉल से पहले 18 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है। उड़ानें ठप, हजारों घरों की बिजली गुल तूफान के कारण जापान में 345 उड़ानें रद्द कर दी गईं और इशिगाकी द्वीप से सभी फेरी सेवाएं

भी रोक दी गईं। ओकिनावा में 24,000 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। तूफान के केंद्र के पास 144 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं, जबकि झोंकों की गति 198 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की चेतावनी दी गई। ताइवान में लगभग सभी शहरों और काउंटी में टाइफून हॉलिडे घोषित कर स्कूल, सरकारी कार्यालय और अधिकांश सार्वजनिक गतिविधियां बंद कर दी गईं। 920 अंतरराष्ट्रीय और सभी 280 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने करीब 29,000 सैनिकों को राहत और बचाव कार्यों के लिए तैयार रखा है। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन के अनुसार, आकार के लिहाज से 1987 के बाद यह सबसे बड़ा तूफान हो सकता है। इसका फैलाव करीब 1,000 किलोमीटर तक है, जिससे व्यापक इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, बावी रविवार को चीन के वेनझोउ के पास लैंडफॉल कर सकता है। चीनी अधिकारियों ने बाढ़, भूस्खलन और तेज हवाओं की चेतावनी जारी करते हुए आपदा प्रबंधन एजेंसियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

पीओके के बढ़ते विरोध ने पाकिस्तान के कश्मीर दावे पर उठाए सवाल: रिपोर्ट में दावा- लोग अब खुलकर उठा रहे हैं आवाज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जारी विरोध प्रदर्शनों ने पाकिस्तान के उस दावे पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसमें वह खुद को कश्मीरी मुसलमानों का प्रतिनिधि बताता रहा है। न्यूयॉर्क स्थित थिंक टैंक गेटस्टोन इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पीओके में लोग अब पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर आवाज उठा रहे हैं और इससे पाकिस्तान की कश्मीर संबंधी कहानी कमजोर पड़ती दिख रही है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान लोगों ने फोर्सेज आउट' (पाकिस्तानी सेना बाहर जाओ) जैसे नारे लगाए। इससे साफ संकेत मिलता है कि वहां के लोगों में पाकिस्तान की नीतियों को लेकर नाराजगी बढ़ रही है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि यह आंदोलन मई 2023 में बिजली की बढ़ती कीमतों और आटे की कमी के विरोध से शुरू हुआ था। इस आंदोलन का नेतृत्व जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी ने किया, जिसमें व्यापारी, वकील, ट्रांसपोर्टर, छात्र और सामाजिक संगठनों के लोग शामिल थे। कमेटी ने सरकार के सामने 38 सूत्रीय मांगपत्र रखा था। इसमें सस्ती बिजली, सस्ता आटा, जरूरी सामान पर सब्सिडी और स्थानीय चुनाव व्यवस्था में सुधार जैसी मांगें शामिल थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों का कहना है कि पीओके में बड़ी मात्रा में जलविद्युत उत्पादन होता है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें महंगी बिजली दी जा रही है। वहीं खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और जरूरी सामान की कमी भी बनी हुई है। इन समस्याओं के कारण लोगों में लंबे समय से नाराजगी थी, जो अब बड़े आंदोलन का रूप ले चुकी है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जून 2026

में मुजफ्फराबाद और रावलाकोट जैसे प्रमुख शहरों में पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई। इसमें कई लोगों की मौत और कई अन्य घायल हुए। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने 5 जून को अवामी एक्शन कमेटी पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया। इसके नेताओं पर देशद्रोह के मामले दर्ज किए गए। साथ ही इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गईं तथा अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीओके में मुस्लिम समुदाय द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन यह दिखाते हैं कि वहां के लोग अब पाकिस्तान को अपना रक्षक नहीं मानते। कई लोग मानते हैं कि पाकिस्तान के बिना उनका भविष्य बेहतर हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लोगों को राजनीतिक अधिकार, आर्थिक अवसर और विकास के मामले में पीओके के लोगों की तुलना में बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। गेटस्टोन इंस्टीट्यूट का कहना है कि पीओके में चल रहा यह आंदोलन पाकिस्तान की कश्मीर नीति और उसके लंबे समय से किए जा रहे दावों के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

मोबाइल कंपनी से जुड़े थे जान गंवाने वाले 15 लोग

हनोई, एजेंसी। वियतनाम में एक द्वीप से वापस लौट रही एक नाव समंदर में पलट गई, इस हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, नाव में 32 भारतीय पर्यटक और चार क्रू मेंबर सवार थे। जानकारी के अनुसार, थाईलैंड की खाड़ी में स्थित 'फू क्वोक' वियतनाम के सबसे लोकप्रिय बीच डेस्टिनेशन में से एक है।

वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास शनिवार को हुए दर्दनाक नाव हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई। हादसे के प्रत्यक्षदर्शी और आंध्र प्रदेश के गुंटूर निवासी आशीष कुमार ने बताया कि स्पीडबोट द्वीप से केवल 300-400 मीटर ही आगे बढ़ी थी, तभी अचानक पलट गई। आशीष कुमार ने पीटीआई से फोन पर बातचीत में बताया कि वह मोबाइल कंपनी लावा इंटरनेशनल के डिस्ट्रीब्यूटर हैं। कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर, विक्रेता और कर्मचारी घूमने के लिए 9 जुलाई को वियतनाम पहुंचे थे और रविवार को भारत लौटने वाले थे। उन्होंने बताया कि पर्यटकों को तीन अलग-अलग नावों में बैठाकर द्वीप तक ले जाया गया था। हादसे के समय 32 भारतीय पर्यटकों वाली एक नाव दूसरे द्वीप के लिए रवाना हुई थी, जबकि बाकी दो नावों के यात्री होन मे रुट नगोआई द्वीप पर फोटो खिंचवा रहे थे।

आशीष के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 1:30 बजे नाव

ने द्वीप से मुश्किल से 300-400 मीटर की दूरी तय की थी कि वह अचानक पलट गई। उन्होंने कहा, 'हम फोटो खींच रहे थे। कुछ समझ पाते, उससे पहले ही नाव पलट गई। हम सभी मदद के लिए चिल्लाने लगे'। उन्होंने बताया कि उस समय मौसम ज्यादा खराब नहीं था। थोड़ी हवा चल रही थी, लेकिन किसी द्वीप पर यह सामान्य बात है। आशीष ने दावा किया कि बचाव दल जल्दी मौके पर पहुंच गया और घायलों व शवों को किनारे ले आया, लेकिन शुरुआत में वहां मेडिकल टीम मौजूद नहीं थी। उन्होंने कहा, 'सीपीआर देने के लिए भी कोई चिकित्सा टीम तुरंत नहीं थी। हम सभी अभी भी सदमे में हैं'। उन्होंने बताया कि वह अकेले यात्रा कर रहे थे, लेकिन कई लोग अपने परिवार के साथ आए थे। उनके एक परिचित डिस्ट्रीब्यूटर अपनी पत्नी के साथ उसी नाव में थे। हादसे में उनकी पत्नी की मौत हो गई, जबकि वह अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। इस हादसे के बाद सभी बचे हुए पर्यटकों को होटल वापस ले जाया गया। वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हुन ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने केंद्र और स्थानीय अधिकारियों से राहत और बचाव अभियान तेज करने, घायलों का बेहतर इलाज कराने और मृतकों के परिवारों की हर संभव मदद करने को कहा है। वियतनाम के मुंबई स्थित महावाणिज्य दूतावास ने बयान जारी कर हादसे पर गहरा दुख जताया। और कहा कि इस मुश्किल समय में उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को हादसे के कारणों की पूरी जांच करने, सुरक्षा व्यवस्था में हुई किसी भी कमी का पता लगाने और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

अमेरिका ने फिर शुरू किए हमले: बमबारी से दहला ईरान, होर्मुज में जहाज पर आईआरजीसी के हमले का बताया जवाब

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि अमेरिकी सेना ने आज शाम 7:15 बजे (ईटी) ईरान के खिलाफ नए हमलों की शुरुआत की है। यह इस सप्ताह ईरान के खिलाफ हमलों का तीसरा दौर है। ये हमले अमेरिकी राष्ट्रपति और कमांडर-इन-चीफ डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर किए जा रहे हैं। सेंटकॉम के अनुसार, यह कार्रवाई ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की तरफ से एक वाणिज्यिक जहाज पर किए गए हमले के जवाब में की गई है। ईरान की सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे साइप्रस के झंडे वाले एक कंटेनर जहाज 'एम/वी जीएफएस गैलेक्सी' पर हमला किया था। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक बयान में बताया कि इस हमले के बाद जहाज का एक नागरिक चालक दल सदस्य लापता है। जहाज में आग लगने और उसके इंजन रूम को भारी नुकसान पहुंचने के कारण वह आगे की यात्रा करने में असमर्थ है। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान में कई जगहों पर धमाकों की आवाज सुनी गई है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, केश्म द्वीप पर विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं।

संपादकीय | जांच होती है, रिपोर्ट आती है...फिर हादसे क्यों नहीं रुकते?

आमतौर पर किसी हादसे के बाद उसके कारणों पर बात होती है। सरकार मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच एजेंसी गठित करती है। मगर उसके बाद शायद ही कभी कारणों के तमाम पहलुओं के आधार पर हादसों से निपटने के लिए कोई व्यापक कार्ययोजना बनती है और उसे एक नियमन की तरह देखा जाता है।

लगभग सभी दुर्घटनाओं और उनकी जांच रिपोर्ट को एक खास घटना के दायरे में समेट कर देखा जाता है। जबकि सबसे जरूरी यह होना चाहिए कि किसी हादसे के बाद उसके कारणों को ध्यान में रख कर भविष्य के लिए ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो। एक अहम पहलू यह भी है कि हमारे यहां हादसों के बाद संवेदना जाहिर करने से लेकर सवाल उठाने तक में तो कमी नहीं की जाती, लेकिन उससे बचाव के पूर्व-इंतजामों को लेकर शायद ही कभी गंभीरता दिखाई जाती है। यही वजह है कि एहतियाती उपायों की अनदेखी आखिर किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बनती है और उसमें जानमाल की क्षति होती है।

कुछ समय पहले दिल्ली और लखनऊ की दो अलग-अलग घटनाओं ने इस मसले पर सरकारी महकमों की उदासीनता और लापरवाही की एक अघोषित तौर पर चलती रहने वाली उस 'व्यवस्था' को उजागर किया, जो ऐसे हादसों की मूल वजह है। दरअसल, दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक इमारत में लगी आग में फंसने के बाद जहां इक्कीस लोगों की जान चली गई, वहीं लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में इसी तरह की घटना में पंद्रह विद्यार्थियों की मौत हो गई।

निश्चित तौर पर इसके लिए उन इमारतों के प्रबंधन की जवाबदेही बनती है, लेकिन सवाल है

कि जिन लापरवाहियों या खामियों की वजह से वे भयावह हादसे हुए, उनकी जांच करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी थी? कायदे से इसके लिए उन सरकारी महकमों और अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, जिनका दायित्व है कि वे समय-समय पर इमारतों में अग्निशमन से लेकर बचाव इंतजामों की जांच करें। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और लखनऊ में आग लगने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को नगर निकायों को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि समय-समय पर दिए गए निर्देशों का पालन न करने वाले शीर्ष अधिकारी अब व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। अदालत की यह टिप्पणी बेहद अहम है कि हादसों के बाद सिर्फ भवन निर्माताओं को गिरफ्तार किया जाता है, जबकि घटना वाले क्षेत्र के अधिकारियों को छोड़ दिया जाता है।

यह छिपा नहीं है कि किसी इमारत में आग लगने की वजह से अगर लोग मारे जाते हैं, तो उसकी मुख्य वजह बचाव के इंतजामों को ताक पर रख देना होता है। मसलन, अचानक आग लगने की स्थिति में उसे बुझाने या उससे बचने के लिए वैकल्पिक निकास की ठोस व्यवस्था न होना लोगों की जान जाने की सबसे बड़ी वजह होती है। आजकल कई इमारतों में सुरक्षा के आधुनिक इंतजाम के नाम पर 'डिजिटल दरवाजे' लगा दिए जाते हैं, जो हादसे की स्थिति में काम करना बंद कर देते हैं और उसमें लोग फंस कर मारे जाते हैं।

सवाल है कि अग्निशमन से लेकर बचाव के तमाम उपायों को सख्ती से लागू कराना किसकी जिम्मेदारी है। इसलिए यह बिल्कुल उचित सवाल है कि केवल इमारतों के मालिकों या प्रबंधकों को कठघरे में खड़ा करना काफी नहीं है, बल्कि हादसे की मुख्य जड़ यानी संबंधित महकमे और शीर्ष अधिकारियों की लापरवाही और अनदेखी का इलाज करना जरूरी है।

पहली ही बारिश में थम गई दिल्ली, आखिर हर साल क्यों दोहराती है वही कहानी?

दिल्ली की एक प्रमुख सड़क पर भारी बारिश के बाद घुटनों तक जलभराव है। सड़क पर कारें, बसें, ऑटो-रिक्शा और मोटरसाइकिलें ट्रैफिक में फंसी हैं, जबकि एक व्यक्ति छाता लेकर पानी के बीच से गुजर रहा है। पृष्ठभूमि में आधुनिक इमारतें, ओवरपास, घने काले बादल और बारिश के बीच चमकती इमरजेंसी लाइटें दिखाई दे रही हैं। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते अमूमन यह माना जाता है कि दिल्ली में समूची व्यवस्था अन्य शहरों के मुकाबले ज्यादा बेहतर होगी। सरकार और स्थानीय प्रशासन के दावों में भी यही झलकता है, लेकिन चिंता की बात यह है कि जब हकीकत सामने आती है, तब भी उसमें सुधार सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहता है। इसका एक प्रमुख उदाहरण है बारिश के दिनों में दिल्ली की रफ्तार थम जाना। हर साल राजधानी के बाशिंदों को जलभराव और यातायात अवरुद्ध हो जाने की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दिल्ली में समग्र विकास के आश्वासनों के साथ सत्ता परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन समस्याओं का संजाल अभी भी कमोबेश वैसा ही बना हुआ है। यही वजह है कि बीते गुरुवार को मानसून की पहली तेज बारिश में ही कई जगह सड़कें तालाब बन गईं, यातायात ठप हो गया और लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। सवाल है

कि बरसात से पहले संबंधित महकमों की ओर से जिन पूर्व तैयारियों का भरोसा दिलाया जाता है, वे समय आने पर कहां गायब हो जाती हैं! कहने को राष्ट्रीय राजधानी में हर साल मानसून के आगमन से काफी पहले समस्याओं से निपटने की औपचारिक तैयारी शुरू हो जाती है। इसके तहत मुख्य रूप से छोटे-बड़े नालों और सड़क किनारे जलनिकासी के लिए बनी नालियों की सफाई करनी होती है। मगर इन तैयारियों का अधिकांश कार्य कागजों तक ही सीमित रहता है। जाहिर है कि सरकार का जोर व्यवस्था को सुधारने पर कम और दावों पर ज्यादा रहता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सियासत भी खूब होती है। इस बार भी सत्ता पक्ष की ओर से दावा किया जा रहा है कि पिछली सरकार के कार्यकाल के मुकाबले जलभराव का संकट काफी कम हुआ है। वहीं, विपक्ष का कहना है कि दो-तीन चिह्नित स्थलों को छोड़कर बाकी जगह का हाल जस का तस बना हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार तुलनात्मक सुधार का हवाला देकर अपनी पीठ थपथपाने के बजाय समस्या की गंभीरता पर ध्यान केंद्रित करे और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि लोगों को बारिश में किसी तरह की परेशानी न झेलनी पड़े।

आज का कार्टून

नक्सलवाद के बाद घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार

नीरज कुमार दुबे

> सामरिक दृष्टि से देखें तो यह नई नीति भारत की सुरक्षा सोच में बड़ा परिवर्तन है। अब देश केवल किसी घटना के बाद प्रतिक्रिया देने की नीति पर नहीं रहेगा, बल्कि संभावित खतरों को पहले ही पहचानकर उन्हें रोकने की सक्रिय रणनीति अपनाई जाएगी। घुसपैठ, छद्म युद्ध, कट्टरपंथ, मादक पदार्थों की तस्करी, ड्रोन के जरिये हथियार पहुंचाना, साइबर अपराध और संगठित अपराध आज एक दूसरे से जुड़ी चुनौतियां बन चुकी हैं। ऐसे में इन सभी के खिलाफ एकीकृत सुरक्षा तंत्र भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती देगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण, जनसंख्या संतुलन की निगरानी, आधुनिक तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था और सीमावर्ती गांवों का विकास एक साथ सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है तो भारत न केवल अपनी सीमाओं को अधिक सुरक्षित बना सकेगा, बल्कि भविष्य में किसी भी प्रकार की बाहरी चुनौती का अधिक प्रभावी ढंग से सामना करने की स्थिति में भी होगा।

देश को नक्सल आतंक की जकड़ से बाहर निकालने और जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वोत्तर में आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूंक दिया है। इस बार निशाने पर केवल घुसपैठ नहीं, बल्कि घुसपैठ के जरिये सीमावर्ती इलाकों में बदलता जनसंख्या संतुलन, तस्करी, मादक पदार्थों का जाल, कट्टरपंथ, ड्रोन खतरे, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित छद्म युद्ध की पूरी रणनीति है। अमित शाह ने स्पष्ट संकेत दिया है कि देश को घुसपैठिया मुक्त बनाने और सीमाओं को अभेद्य सुरक्षा कवच देने का व्यापक अभियान अब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अमित शाह का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और सामरिक संतुलन से जुड़ा हुआ प्रश्न है, ऐसे में यह अभियान वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के भारत की सुरक्षा का भी मजबूत आधार बनेगा।

हम आपको बता दें कि नई दिल्ली में आयोजित सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सरकार की नई और व्यापक रणनीति सामने रखी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सीमा सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब केवल भूमि सीमाओं तक ही नहीं, बल्कि आने वाले समय में तटीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए भी इसी प्रकार का समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। सम्मेलन में सीमा सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों, उनके समाधान और भविष्य की नीति तैयार करने पर व्यापक विचार विमर्श किया गया।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सीमा सुरक्षा व्यवस्था अब केवल चौकियों और गश्त तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार सीमा सुरक्षा बलों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, केंद्र सरकार के संबंधित विभागों और सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय नागरिकों को साथ जोड़कर चार स्तरीय सुरक्षा तंत्र तैयार कर रही है। यही चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था भविष्य में भारत की सीमाओं को अभेद्य बनाने का सबसे मजबूत आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती क्षेत्र और सतर्क समाज मिलकर ही राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

गृह मंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत की लगभग पंद्रह हजार किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा अठारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरती है। इतनी विशाल सीमा की सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों के भरोसे संभव नहीं है। इसके लिए स्थानीय समाज की भागीदारी, प्रशासनिक समन्वय और आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग अनिवार्य है। इसी सोच के तहत सरकार अलग थलग सीमा चौकियों की पुरानी व्यवस्था से आगे बढ़कर एकीकृत सुरक्षा तंत्र विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की स्मार्ट सीमा की परिकल्पना आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे आधुनिक सीमा सुरक्षा व्यवस्था का रूप लेगी।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने नक्सलवाद, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और पूर्वोत्तर में हिंसा के खिलाफ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब अगले तीन वर्षों में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर भी निर्णायक प्रहार किया जाएगा। साथ ही ऐसा मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार किया जा रहा है जिससे देश पूरी तरह घुसपैठ मुक्त बने और भविष्य में किसी भी प्रकार की अवैध घुसपैठ की संभावना लगभग समाप्त हो जाए। उन्होंने कहा कि पहले समस्याएं स्थायी होती थीं और समाधान अस्थायी, लेकिन अब सरकार समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर स्थायी समाधान तैयार कर रही है।

देखा जाये तो इस पूरी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सीमावर्ती क्षेत्रों में बदलते जनसंख्या स्वरूप पर मोदी सरकार का विशेष ध्यान है। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि सीमावर्ती इलाकों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण अवैध घुसपैठ है। इसी कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसंख्या अध्ययन अभियान प्रारंभ किया है, जिसके तहत जनसंख्या में हो रहे अस्वाभाविक बदलावों का अध्ययन किया जाएगा, उनके कारणों की पहचान होगी और भविष्य में ऐसे परिवर्तनों को रोकने के उपाय सुझाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अस्वाभाविक कारणों से होने वाली जनसंख्या वृद्धि पर कठोरता के साथ नियंत्रण किया जाएगा। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या परिवर्तन से जुड़ी हर महत्वपूर्ण सूचना सबसे निचले स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक तत्काल पहुंचनी चाहिए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

सरकार सीमाओं को मजबूत बनाने के लिए आधारभूत ढांचे पर भी अभूतपूर्व निवेश कर रही है। अमित शाह ने बताया कि सीमा क्षेत्रों में आधारभूत संरचना पर निवेश में चार सौ प्रतिशत की वृद्धि की गई है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सड़कों, संचार व्यवस्था, निगरानी तंत्र तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। भारत म्यांमार सीमा के सोलह सौ दस किलोमीटर लंबे हिस्से पर 31 हजार करोड़ रुपये की लागत से बाड़ लगाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है। इसका उद्देश्य केवल घुसपैठ रोकना नहीं, बल्कि छद्म युद्ध, अवैध हथियारों की आवाजाही, मादक पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित अन्य गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है।

साथ ही मोदी सरकार की सीमा सुरक्षा नीति केवल सैन्य दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है। सीमावर्ती गांवों को मजबूत बनाना भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के अंतिम गांव को पहला गांव बताया है। इस योजना के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों से पलायन रोकने, स्थानीय रोजगार बढ़ाने और सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मोदी सरकार का मानना है कि जब सीमा पर बसे गांव समृद्ध होंगे, वहां के लोग सुरक्षित और आत्मनिर्भर होंगे, तभी सीमा सुरक्षा भी स्थायी रूप से मजबूत होगी।

सामरिक दृष्टि से देखें तो यह नई नीति भारत की सुरक्षा सोच में बड़ा परिवर्तन है। अब देश केवल किसी घटना के बाद प्रतिक्रिया देने की नीति पर नहीं रहेगा, बल्कि संभावित खतरों को पहले ही पहचानकर उन्हें रोकने की सक्रिय रणनीति अपनाई जाएगी। घुसपैठ, छद्म युद्ध, कट्टरपंथ, मादक पदार्थों की तस्करी, ड्रोन के जरिये हथियार पहुंचाना, साइबर अपराध और संगठित अपराध आज एक दूसरे से जुड़ी चुनौतियां बन चुकी हैं। ऐसे में इन सभी के खिलाफ एकीकृत सुरक्षा तंत्र भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती देगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सीमाओं पर प्रभावी नियंत्रण, जनसंख्या संतुलन की निगरानी, आधुनिक तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था और सीमावर्ती गांवों का विकास एक साथ सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है तो भारत न केवल अपनी सीमाओं को अधिक सुरक्षित बना सकेगा, बल्कि भविष्य में किसी भी प्रकार की बाहरी चुनौती का अधिक प्रभावी ढंग से सामना करने की स्थिति में भी होगा। अमित शाह द्वारा प्रस्तुत यह नई रणनीति केवल सीमा सुरक्षा का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, सामरिक शक्ति और भविष्य के भारत की सुरक्षा संरचना को मजबूत करने वाला व्यापक अभियान बनकर उभर रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि इस पूरी रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए अमित शाह स्वयं भी सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने सीमा चौकियों का निरीक्षण किया, सुरक्षा बलों के साथ संवाद स्थापित किया, नियंत्रण रेखा का निरीक्षण किया, भारत-पाक सीमा के अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र जाकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की और महिला जवानों के लिए नई बैरकों का उद्घाटन किया। स्पष्ट है कि मोदी सरकार केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक निगरानी प्रणाली, तकनीक आधारित सुरक्षा तंत्र, मजबूत समन्वय और प्रत्यक्ष निरीक्षण के माध्यम से पूरे सीमा सुरक्षा ढांचे को नए सिरे से सशक्त बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

नीति आयोग की रिपोर्ट: झारखंड में प्राथमिक स्कूलों का ड्रॉपआउट शून्य

> विकसित भारत का निर्माण केवल आर्थिक प्रगति से नहीं होगा। इसके लिए शिक्षित, कुशल, संवेदनशील और जागरूक नागरिकों का निर्माण आवश्यक है। प्रत्येक विद्यालय, प्रत्येक शिक्षक, प्रत्येक अभिभावक और पूरे समाज को यह संकल्प लेना होगा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। झारखंड ने यह सिद्ध कर दिया है कि बीच में स्कूल छोड़ने की दर को शून्य करना कोई असंभव लक्ष्य नहीं है। यह उपलब्धि पूरा देश हासिल कर सकता है। अब समय आ गया है कि 'हर बच्चा विद्यालय में, हर बच्चा शिक्षा में और कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर नहीं' केवल एक नारा न रहकर राष्ट्रीय संकल्प बने।

राजेंद्र जोशी

किसी भी राष्ट्र के विकास की सबसे मजबूत नींव उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का प्रत्येक बच्चा विद्यालय तक पहुंचे, नियमित रूप से अध्ययन करे और अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करे। इसलिए अब केवल सौ फीसद नामांकन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सौ फीसद ठहराव और शून्य 'ड्रॉपआउट' यानी बीच में एक भी बच्चा स्कूल न छोड़े, इसे राष्ट्रीय लक्ष्य बनाया जाना चाहिए।

हाल ही में नीति आयोग द्वारा भारत की स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर जारी रिपोर्ट में झारखंड से एक अत्यंत उत्साहजनक समाचार सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2014-15 में झारखंड में प्राथमिक स्तर पर 'ड्रॉपआउट' दर 6.41 फीसद थी, जो वर्ष 2024-25 में घटकर शून्य हो गई है। इसी प्रकार माध्यमिक स्तर पर यह दर 23.2 फीसद से घटकर केवल 3.5 फीसद रह गई है। यह उपलब्धि केवल झारखंड की नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा का विषय है। इससे यह सिद्ध होता है कि अगर सरकार, प्रशासन, विद्यालय और समाज मिलकर योजनाबद्ध ढंग से कार्य करें, तो बीच में स्कूल छोड़ने जैसी गंभीर समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भी प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने तथा उसे विद्यालय में बनाए रखने पर विशेष बल देती है। इसके बावजूद देश के सामने आज भी विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों की समस्या गंभीर बनी हुई है। अगर सकल नामांकन अनुपात यानी जीईआर के आंकड़ों पर दृष्टि डालें, तो यह चिंता और बढ़ जाती है। कक्षा छह से आठ तक जीईआर लगभग 90.9 फीसद है, जबकि कक्षा नौ-दस में यह घटकर 79.3 फीसद रह जाता है। कक्षा 11-12 तक पहुंचते-पहुंचते यह केवल 56.5 फीसद रह जाता है। स्पष्ट है कि बड़ी संख्या में बच्चे, विशेष रूप से कक्षा आठ के बाद शिक्षा व्यवस्था से बाहर हो जाते हैं। यह स्थिति शिक्षा के साथ-साथ देश के सामाजिक और आर्थिक विकास से भी सीधे जुड़ी हुई है।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण सहित विभिन्न अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि बच्चों के स्कूल छोड़ने के अनेक कारण हैं। गरीबी, बाल श्रम, बाल विवाह, प्रवासी मजदूर परिवारों का लगातार स्थान परिवर्तन, विद्यालयों की दूरी, आधारभूत सुविधाओं का अभाव, गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों की कमी और शिक्षा के प्रति जागरूकता का अभाव इसके प्रमुख कारण हैं। झारखंड की सफलता यह संदेश देती है कि अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक प्रतिबद्धता और सामाजिक सहभागिता साथ आएं तो परिवर्तन संभव है। आवश्यकता इस बात की है कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित उन सभी राज्यों में विशेष अभियान चलाए जाएं, जहां विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों की संख्या अभी भी चिंताजनक है। बीच में स्कूली पढ़ाई छोड़ने की समस्या पर काबू पाने के लिए सबसे पहले विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करना होगा। प्रत्येक बच्चे के लिए पूर्व-प्राथमिक से कक्षा बारह तक सुरक्षित, आकर्षक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। सरकारी विद्यालयों की विश्वसनीयता को फिर से स्थापित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विद्यालयों में पर्याप्त कक्षाएं, प्रशिक्षित शिक्षक, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, स्वच्छ पेयजल, अलग शौचालय तथा डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। जहां विद्यालय नहीं हैं, वहां नए विद्यालय स्थापित किए जाएं और आवश्यकता के अनुसार छात्रावासों का निर्माण किया जाए। विशेष रूप से बालिकाओं के लिए सुरक्षित छात्रावास और सुगम परिवहन की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि अनेक बालिकाएं केवल दूरी और सुरक्षा के कारण अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं।

प्रवासी मजदूरों के बच्चों की शिक्षा भी एक बड़ी चुनौती है। ऐसे बच्चों के लिए वैकल्पिक और नवीन शिक्षा केंद्र, लचीली अध्ययन व्यवस्था तथा सामुदायिक सहयोग की आवश्यकता है। स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय समाज की भागीदारी से ऐसे बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से फिर जोड़ा जा सकता है। नामांकन के बावजूद कोई बच्चा लगातार अनुपस्थित रहता है, तो उसके अभिभावकों से संपर्क करके विद्यालय छोड़ने के कारणों का समाधान खोजना चाहिए। अगर किसी कारणवश कोई बच्चा विद्यालय छोड़ देता है, तो उसकी वापसी भी सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। ऐसे विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं, सेतु पाठ्यक्रम तथा अतिरिक्त अध्ययन की व्यवस्था की जानी चाहिए, जिससे वे बिना किसी संकोच के फिर अपनी कक्षा के अनुरूप अध्ययन प्रारंभ कर सकें। सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के बच्चों के लिए विशेष प्रयास आवश्यक हैं। ऐसे क्षेत्रों में सामुदायिक साक्षरता केंद्र, लचीले समय की अध्ययन कक्षाएं तथा विशेष शिक्षण केंद्र संचालित किए जा सकते हैं, जहां बच्चे अपनी परिस्थितियों के अनुसार पढ़ाई जारी रख सकें। इससे उनका विद्यालय से संबंध बना रहेगा और भविष्य में उनकी नियमित शिक्षा भी बाधित नहीं होगी। विकसित भारत का निर्माण केवल आर्थिक प्रगति से नहीं होगा। इसके लिए शिक्षित, कुशल, संवेदनशील और जागरूक नागरिकों का निर्माण आवश्यक है। प्रत्येक विद्यालय, प्रत्येक शिक्षक, प्रत्येक अभिभावक और पूरे समाज को यह संकल्प लेना होगा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। झारखंड ने यह सिद्ध कर दिया है कि बीच में स्कूल छोड़ने की दर को शून्य करना कोई असंभव लक्ष्य नहीं है। यह उपलब्धि पूरा देश हासिल कर सकता है। अब समय आ गया है कि 'हर बच्चा विद्यालय में, हर बच्चा शिक्षा में और कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर नहीं' केवल एक नारा न रहकर राष्ट्रीय संकल्प बने। विकसित भारत की यात्रा का सबसे सशक्त आधार यही होगा।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए सौरव गांगुली समेत 3 दिग्गज, जय शाह ने भी दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ओर से हॉल ऑफ फेम में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को शामिल किया गया है। उनके साथ महिला टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा और इंग्लैंड के पूर्व धाकड़ बल्लेबाज केविन पीटरसन को भी यह खास सम्मान दिया गया है। एडिनबर्ग में हुए एक शानदार कार्यक्रम में तीनों हस्तियों को सम्मानित किया गया।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह की ओर के बधाई संदेश भी दिया जा चुका है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा?

आईसीसी मुखिया जय शाह ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन को बधाई दी। जय शाह ने लिखा,मुझे आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले नए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह उन असाधारण लोगों के लिए सम्मान है जिनकी उपलब्धियों ने हमारे खेल में बहुत बड़ा योगदान दिया है। सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन, इन सभी ने गर्व के साथ अपनी राष्ट्रीय टीमों की कप्तानी की है और मैं आईसीसी की ओर से उन्हें इस बेहद हकदार सम्मान के लिए बधाई देना चाहता हूं।

सौरव गांगुली को भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदलने वाला कप्तान माना जाता है। भारत के लिए उन्होंने 113 टेस्ट और 311 वनडे खेले। जिसमें दादा ने क्रमशः 7212 और 11363 रन बनाए। हॉल ऑफ फेम में जगह मिलने पर गांगुली ने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। क्रिकेट के महानतम खिलाड़ियों में मेरा नाम शामिल होना मेरे सबसे यादगार पलों में से एक रहेगा।

महिला टीम की पूर्व कप्तान और 127 वनडे खेलने वालीं अंजुम चोपड़ा ने भी अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, खेल के दिग्गजों के बीच पहचाने जाने का यह सम्मान उन सभी लोगों के लिए एक पुरस्कार है जिन्होंने मेरे करियर को संवारने में मदद की है। मैं उन सभी का आभारी हूं और आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर बहुत खुश हूं।

केविन पीटरसन अपने दौर के सबसे बेबाक और रचनात्मक बल्लेबाजों में से एक रहे। इंग्लैंड के लिए उन्होंने 104 वनडे और 136 टेस्ट खेले। हॉल ऑफ फेम में अपना नाम देख उन्होंने कहा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना बहुत बड़े सम्मान की बात है। इस तरह पहचान मिलना और खेल के इतने महान खिलाड़ियों के साथ अपना नाम देखना सचमुच बहुत गर्व और विनम्रता का अनुभव कराता है।

मेसी के बिना भी नहीं रुका अर्जेंटीना

क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया

अल्वारेज और एलिस्टर बने हीरो

छठी बार फुटबॉल वर्ल्डकप सेमीफाइनल में, अर्जेंटीना, अब इंग्लैंड से मुकाबला

कैंसस (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया। बिना लियोनेल मेसी को गोल के भी गतविजेताओं ने अंतिम-4 में जगह बना ली है। कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्योॅय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ। मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

90 मिनट तक स्कोर बराबर, इंजरी टाइम गोल रहित रहा - मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था।

सेमीफाइनल में अर्जेंटीना का 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे। अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है। स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया।

डैन एनड्योॅय ने स्विट्जरलैंड को बराबरी दिलाई

हाफ टाइम के बाद स्विस टीम ने डैन एनड्योॅय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई।67वें मिनट में डैन एनड्योॅय बाईं ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया।

मेसी के क्रॉस पर मैक एलिस्टर का गोल

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था।इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

एम्बोलो को रेड कार्ड, मैदान पर रोने लगे

72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ।

टेस्ट के बीच विश्व कप विजेता कप्तान हीदर नाइट ने किया संन्यास का ऐलान

16 साल लंबे करियर को कहा अलविदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की महीला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान हीदर नाइट ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला जा रहा टेस्ट मैच उनके करियर का आखिरी मुकाबला होने वाला है। साल 2010 में डेब्यू करने वाली नाइट ने इंग्लैंड को 2017 में विश्व चैंपियन बनाया। फाइनल में मिताली राज की कप्तानी वाली टीम इंडिया को एकतरफा मुकाबले में मात दी थी। हीदर नाइट वर्ल्ड क्रिकेट में इंग्लैंड का वर्चस्व बनाने वालीं खिलाड़ियों में से एक रहीं हैं।

तोड़ा था टीम इंडिया का सपना

साल 2017 महिला विश्व कप में हीदर नाइट की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम ने फाइनल में टीम इंडिया को मात दी थी। इंग्लिश टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 229 रन का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में भारत 8 गेंद शेष रहने के बावजूद 9 रन से मैच हार गया था। हीदर नाइट ने अपने देश के लिए 160 वनडे और 145 टी20 मुकाबले खेले हैं। जिसमें उन्होंने क्रमशः 4372 और 2656 रन बनाए। इसके अलावा 14 टेस्ट की 25 पारियों में 970 रन अपने खाते में जोड़े।

हीदर नाइट हो गईं भावुक

हीदर नाइट ने भावुक होते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा। विदाई स्पीच में उन्होंने 16 साल के सफर को याद करते हुए कहा, इंग्लैंड की क्रिकेटर के रूप में मैंने जो यात्रा तय की, उसके लिए मैं बेहद आभारी और खुद को भाग्यशाली मानती हूं। इस टीम और ड्रेसिंग रूम से दूर होना आसान नहीं है क्योंकि पिछले 16 वर्षों से यहां के लोग मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा रहे हैं। इन यादों, अनुभवों और लोगों ने मुझे वह इंसान बनने में मदद की। जो मैं आज हूं, मैं अपने फैसले को लेकर पूरी तरह संतुष्ट हूं और आने वाले समय को लेकर उत्साहित हूं।

टेस्ट मैच में टीम इंडिया आगे

इसके साथ ही बात की जाए लॉर्ड्स में खेले जा रहे टेस्ट की तो भारतीय टीम का पलड़ा मजबूत नजर आ रहा है। पहली पारी में मेजबानों ने 285 रन बोर्ड पर लगाए। फिर इंग्लैंड को 170 के स्कोर पर ऑलआउट कर दिया। वहीं दूसरी पारी में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 1 विकेट के नुकसान पर 154 रन बना लिए हैं। स्मृति मंधाना (69) और यास्तिका भाटिया (39) क्रीज पर जमी हुई हैं। टीम इंडिया के पास 269 रन की बढ़त है।

भारत-इंग्लैंड एक दिवसीय सीरीज की टीम में बीसीसीआई ने किए 2 बदलाव

- जिम्बाब्वे दौरे के लिए रवि बिश्नोई टीम में, वरुण चक्रवर्ती बाहर
- पहला मैच 14 जुलाई को बर्मिंघम में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज के समापन के बाद अब दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाने वाली है। जिसका पहला मैच 14 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाने वाला है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की ओर से आज यानी 12 जुलाई को टीम में 2 बदलाव किए गए हैं। प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई ने इंजर्ड हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती को रिप्लेस किया है। दोनों खिलाड़ी चौथे टी20 से पहले चोटिल हुए थे।

चोटिल हुए हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती - बीसीसीआई की ओर से जारी की गई जानकारी के अनुसार हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती ने तीसरे टी20 के बाद परेशानी जाहिर की थी। स्कैन और तमाम मेडिकल जांच के बाद पता लगा कि राणा को ग्रेड-1 हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई है। जबकि वरुण को ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग चोट लगी है। एहतियाते के तौर पर दोनों खिलाड़ियों को चौथे टी20 से आराम देकर पूरी सीरीज से बाहर कर दिया गया था। आपको बता दें कि वरुण जिम्बाब्वे दौरे से भी बाहर हो गए हैं। हर्षित का इस श्रंखला के लिए चयन नहीं हुआ था।

रवि बिश्नोई और प्रिंस यादव ने किया रिप्लेस - वरुण चक्रवर्ती के रिप्लेसमेंट के रूप में रवि बिश्नोई आए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ उन्हें पहले और दूसरे टी20 में खेलने का मौका मिला। चेस्टर-ली-स्ट्रीट में बारिश के कारण मैच रद्द होने के कारण उनकी गेंदबाजी नहीं आई। दूसरे मुकाबले में उन्होंने 4 ओवर में 60 रन दिए, फिर उन्हें ड्रॉप कर दिया गया। उनकी नो बॉल और एक ओवर में 27 रन देने की वजह से टीम इंडिया को हार का भी सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर प्रिंस यादव ने हर्षित राणा की जगह ली है। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे मुकाबले में उन्होंने टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। पहले 2 मैच में 5 विकेट लेने के बाद आखिरी 2 मैचों से उनके लिए विकेट का खाता नहीं खुला है। हालांकि उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे मैच से इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा। 2 एकदिवसीय मुकाबलों में उनके नाम 3 विकेट हैं।

वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव

जिम्बाब्वे टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उप-कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई

स्विट्जरलैंड के खिलाफ लियोनेल मेसी की टीम ने रैटिन को श्रद्धांजलि देने के लिए पहनी काली पट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान अर्जेंटीना के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे। ऐसा उन्होंने टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एंटोनियो रैटिन को श्रद्धांजलि देने के लिए किया, जिनका शनिवार को निधन हो गया। रैटिन अर्जेंटीना और बोका जूनियर्स के सबसे शानदार खिलाड़ियों में गिने जाते थे। उन्होंने अपने करियर में कई यादगार प्रदर्शन किए और 1962 व 1966 वर्ल्ड कप में भी देश का गौरव बढ़ाया।राटा के नाम से मशहूर रैटिन ने 1956 से 1970 के बीच बोका जूनियर्स के लिए 382 मैच खेले, 28 गोल किए और क्लब को चार लीग खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 1962 और 1966 फीफा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व भी किया। परिवार की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, एंटोनियो रैटिन का 11 जुलाई को 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बताया गया कि उन्हें स्ट्रोक आने की आशंका थी, जिसके बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से अर्जेंटीना के फुटबॉल जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

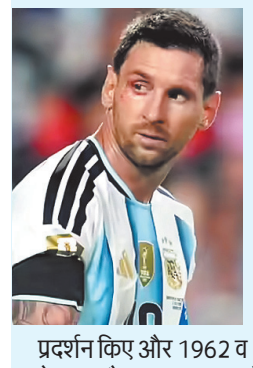

आंध्र के अनंतपुर में खेल गरीबी से निकलने का जरिया

स्पोर्ट्स विलेज ने इंटरनेशनल खिलाड़ी दिए, 350 से ज्यादा प्लेयर्स को सरकारी नौकरियां मिलीं

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश का अनंतपुर जिला अपनी भौगोलिक चुनौतियों, सूखी जमीन और लगातार पड़ने वाले सूखे के लिए जाना जाता है। यहां की बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है, लेकिन अनियमित बारिश और सीमित संसाधनों के कारण लोगों की आय और जीवन स्तर हमेशा संघर्षपूर्ण रहा है।

रोजगार के अन्य विकल्पों की कमी ने युवाओं और महिलाओं के लिए मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, लेकिन इसी बंजर और चुनौतीपूर्ण माहौल के बीच 'रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट' (आरडीटी) पूरे ग्रामीण समाज की दिशा बदल रहा है। 1969 में विसेंट और ऐनी फेरर द्वारा स्थापित इस संस्था ने स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ-साथ एक अनूठा प्रयोग किया-खेलों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का हथियार बनाना। 70 के दशक में साधारण कबड्डी और क्रिकेट टूर्नामेंट से शुरू हुआ यह सफर, साल 2000 में 'अनंतपुर स्पोर्ट्स एकेडमी' (एएसए) की स्थापना के साथ एक बड़े आंदोलन में बदल गया। आज यह अकादमी 'एक्सेस, एजुकेट और एम्पावर' (पहुंच, शिक्षा और सशक्तिकरण) के सिद्धांत पर काम करते हुए तीन स्तरों पर संचालित होती है। सबसे पहले, सुदूर गांवों में फैले 100 से ज्यादा ग्रासरूट सेंटर्स से प्रतिभाओं को खोजा जाता है। इसके बाद उन्हें बेहतर ग्राउंड, लाइब्रेरी और कंप्यूटर जैसी सुविधाओं वाले 4 विशेष स्पोर्ट्स-एजुकेशन सेंटर्स तक लाया जाता है। जो खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं, उन्हें 'अनंतपुर स्पोर्ट्स विलेज' (एएसवी) की एलीट रेजिडेंशियल एकेडमी में चुना जाता है।

इंग्लैंड फुटबॉल वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में

- नॉर्वे को क्वार्टर फाइनल में 2-1 से हराया, बेलिंगहैम ने दो गोल दागे

मियामी गार्डन्स (एजेंसी)। जूड बेलिंगहैम के दो गोल की बदौलत इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने रविवार के पहले मुकाबले में नॉर्वे को एक्स्ट्रा टाइम में 2-1 से हराया। इंग्लैंड 2018 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप के अंतिम-4 में पहुंचा है। मियामी स्टेडियम में खेला गया मुकाबला तय समय तक 1-1 की बराबरी पर रहा। उसके बाद रियल मैड्रिड के स्टार मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम ने टीम के दोनों गोल किए। विजयी गोल एक्स्ट्रा टाइम के तीसरे मिनट में हराया। इंग्लैंड का सेमीफाइनल मैच अर्जेंटीना से 15 जुलाई को होगा।जूड बेलिंगहम ने मैच में 2 गोल किए। उनके फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अब तक 6 गोल हो गए हैं। इंग्लिश कैप्टन हैरी केन ने भी 6 गोल किए हैं। यह पहली बार है, जब इंग्लैंड के दो खिलाड़ियों ने एक ही वर्ल्ड कप में 5 या उससे अधिक गोल दागे हैं।गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड ने वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के लिए अपना 18वां मैच खेलकर नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पीटर शिल्टन के 17 मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वर्ल्ड कप इतिहास में इंग्लैंड के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले गोलकीपर बन गए।इंग्लैंड ने चौथी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले टीम 1966, 1990 और 2018 के एडीशन के टॉप-4 में शामिल रही थी।

21 साल की लिंडा नोस्कोवा बनीं विंबलडन चैंपियन

- कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया; करियर की बेस्ट रैंकिंग 7 पर पहुंचेंगी

लंदन (एजेंसी)। चेक रिपब्लिक की 21 साल की टेनिस खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा ने विंबलडन 2026 का विमेंस सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल मुकाबले में नौवीं सीड नोस्कोवा ने अपनी ही हमवतन और पेरिस ओलिंपिक की डबल्स पार्टनर कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से शिकस्त दी। विंबलडन के इतिहास में यह पहली बार था जब दो चेक खिलाड़ियों के बीच फाइनल मैच खेला गया। इस जीत के साथ ही नोस्कोवा को करीब 38.5 करोड़ रुपए (3.6 मिलियन) की इनामी राशि मिली और वे अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 7वीं रैंकिंग पर पहुंच जाएंगी।

4 साल में तीसरी चेक चैंपियन बनीं लिंडा नोस्कोवा - लिंडा नोस्कोवा पिछले चार सालों में विंबलडन महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली तीसरी चेक खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजिकोवा ने 2024 में यह खिताब जीता था।

मैच पॉइंट गंवाने के बाद कांपने लगी थीं नोस्कोवा - मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब नोस्कोवा आसानी से जीत की तरफ बढ़ रही थीं। वे दूसरे सेट में 6-2, 5-2 से आगे थीं। इसके बाद 10वीं सीड मुहोवा ने जोरदार वापसी की और लगातार 5 गेम जीतकर दूसरा सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान दबाव में नोस्कोवा का बॉडी लैंग्वेज देखने लायक था। वे क्राउड के शोर से बचने के लिए कानों में उंगलियां डालती दिखीं और चेंजओवर के समय विंबलडन के तौलिये में अपना चेहरा छिपा लिया। हालांकि, तीसरे सेट में उन्होंने खुद को संभाला और जीत कर इतिहास रच दिया। जीत के बाद नोस्कोवा कोर्ट पर ही बैठ गईं और भावुक हो गईं। ट्रॉफी मिलने के बाद स्पीच के दौरान वे रो पड़ीं। उन्होंने आसमान की तरफ देखते हुए फ्लाइंग किस किया और अपनी दिवंगत मां को याद किया। नोस्कोवा ने कहा,दो साल पहले विंबलडन की शुरुआत से ठीक पहले मेरी मां इवाना का निधन हो गया था। मैं उनके बिना आज यहां नहीं होती। मैं अपने पिता को भी धन्यवाद देना चाहती हूं, जो मेरे लिए फ्लाइट का डर होने के बावजूद यहां मैच देखने आए। महिला सिंगल्स फाइनल में सेंटर कोर्ट पर कैरोलिना मुहोवा को हराने के बाद लिंडा नोस्कोवा अपनी दिवंगत मां की याद में आसमान की ओर किस उड़ाती हुई।

मुहोवा ने मजाकिया अंदाज में कहा-लिंडा मेरी एक्स-फ्रेंड हैं - हार के बाद भावुक मुहोवा ने उपविजेता की ट्रॉफी लेते समय रोते हुए कहा,शब्द ढूंढना मुश्किल है, लेकिन मैं अपनी पूर्व दोस्त (एक्स-फ्रेंड) लिंडा से शुरुआत करूंगी। आपने जिस तरह से दबाव को संभाला और खेला, वह अविश्वसनीय था। आप इस जीत की हकदार हैं। उन्होंने आगे कहा,मैं आगे भी लड़ती रहूंगी। मुझे यह ट्रॉफी चाहिए और उम्मीद है कि मैं फिर से फाइनल में पहुंचकर इसे जीतूंगी। बता दें कि मुचोवा पिछले कुछ समय से कलाई की गंभीर चोट से जूझ रही थीं, जिसके कारण उन्हें एक समय सिंगल-हैंडेड बैकहैंड से खेलना पड़ा था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए न्यायाधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670